

+3 CBCS SYLLABUS

HINDI HONOURS



(QR Code)



DIRECTORATE OF DISTANCE & CONTINUING EDUCATION

Utkal University, Bhubaneswar-7, Odisha

Email: director@ddceutkal.ac.in

Website: www.ddceutkal.ac.in

(To get the softcopy of the syllabus please scan the QR Code in your smart phone)

**FINAL Structure for Under Graduate Programme (B.A)
Under Utkal University Bhubaneswar
(As per CBCS System)**

ARTS (HONOURS)

Group	Subjects	No. of Papers	Total Credits	Total Marks
Core	Core-1 to Core-14	14	14 x 6 = 84	1400
DSE	DSE-1 to DSE-4	4	4 x 6 = 24	400
AECC		2	2 x 4 = 8	200
SEC		2	2 x 4 = 8	200
GE		4	4 x 6 = 24	400
GRAND TOTAL		26	148	2600

N.B:- Arts (Hons.) course has Total Credits = 148, Total Marks = 2600.

Abbr. –

DSE – Discipline Specific Elective

AECC – Ability Enhancement Compulsory Course

SEC – Skill Enhancement Course

GE – Generic Elective

Stipulations:

- 1) An Arts (Hons.) student has to opt two different subjects as GE-A and GE-B other than core subject.
- 2) GE-A to be opted for Semester-I & III (as Paper-1 & 2) and GE-B Semester-II & IV(as Paper-1 & 2)
- 3) An Arts (Hons.) Student can opt maximum of two Practical Subjects.

SEMESTER – I

Sl No	Name of the Course	Paper	CP (Credit Point)	CH (Credit Hour)	Full Marks
1	CORE	I	6	60	100
2	CORE	II	6	60	100
3	GE - A	I	6	60	100
4	AECC (Environmental Studies)	I	4	40	100
	TOTAL	4	22	220	400

SEMESTER – II

Sl No	Name of the Course	Paper	CP (Credit Point)	CH (Credit Hour)	Full Marks
1	CORE	III	6	60	100
2	CORE	IV	6	60	100
3	GE – B	I	6	60	100
4	AECC MIL(Communication) (Odia/Hindi/Urdu/A.E.)	II	4	40	100
	TOTAL	4	22	220	400

SEMESTER – III

SI No	Name of the Course	Paper	CP (Credit Point)	CH (Credit Hour)	Full Marks
1	CORE	V	6	60	100
2	CORE	VI	6	60	100
3	CORE	VII	6	60	100
4	GE - A	II	6	60	100
5	SEC (<i>English Communication</i>)	I	4	40	100
TOTAL		5	28	280	500

SEMESTER – IV

SI No	Name of the Course	Paper	CP (Credit Point)	CH (Credit Hour)	Full Marks
1	CORE	VIII	6	60	100
2	CORE	IX	6	60	100
3	CORE	X	6	60	100
4	GE - B	II	6	60	100
5	SEC (<i>Modern Office Management</i>)	II	4	40	100
TOTAL		5	28	280	500

SEMESTER – V

SI No	Name of the Course	Paper	CP (Credit Point)	CH (Credit Hour)	Full Marks
1	CORE	XI	6	60	100
2	CORE	XII	6	60	100
3	DSE	I	6	60	100
4	DSE	II	6	60	100
TOTAL		4	24	240	400

SEMESTER – VI

SI No	Name of the Course	Paper	CP (Credit Point)	CH (Credit Hour)	Full Marks
1	CORE	XIII	6	60	100
2	CORE	XIV	6	60	100
3	DSE	III	6	60	100
4	DSE	IV	6	60	100
TOTAL		4	24	240	400

(5)

SEMESTER-I

PAPER-I

हिन्दी साहित्य का इतिहास (भाग-1)

Total No. of Credit – 06

Full Marks : 100

UNIT-I

हिन्दी साहित्य के प्रमुख इतिहास ग्रन्थ (केवल परिचय),
काल विभाजन एवं नामकरण।

UNIT-II

आदिकाल की पृष्ठभूमि, आदिकाल के प्रमुख कवि, आदिकाल की प्रमुख रचनाएँ,
आदिकाल की प्रमुख काव्य प्रवृत्तियाँ।

UNIT-III

भक्तिकाल सामान्य परिचय, निर्गुण काव्यधारा (ज्ञान मार्ग एवं प्रेम मार्ग)
निर्गुण काव्यधारा के प्रमुख कवि एवं रचनाएँ।

UNIT-IV

सगुण काव्यधारा सामान्य परिचय, रामभक्ति शाखा, कृष्ण भक्ति शाखा,
प्रमुख कवि एवं रचनाएँ।

UNIT-V

रीतिकाल की पृष्ठभूमि, रीति काव्य का सामान्य परिचय, रीतिबद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य के
प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ, प्रवृत्तियाँ।

अंक विभाजन :

विभाग-(क) उपर्युक्त इकाइयों से 05 प्रश्न पूछे जाएँगे। उनमें से 03 के उत्तर लिखने होंगे।

(प्रत्येक उत्तर 700-1000 शब्दों के बीच)

15×3 = 45

विभाग-(ख) उपर्युक्त इकाइयों से 05 संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। उनमें से 03 के उत्तर लिखने होंगे।

(प्रत्येक उत्तर 400-500 शब्दों के बीच)

5×3 = 15

विभाग-(ग) सभी इकाइयों में से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएँगे।

2×10 = 20

End Semester 80

Internal 20

Total 100

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा, काशी
2. हिन्दी साहित्य का उदभव और विकास - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह
4. भक्ति काव्य और लोक जीवन - शिवकुमार मिश्र
5. Social life and concepts in
Medieval Hindi Bhakti Poetry Dr. Savitri Chandra
6. भारतीय चिंतन परंपरा - के. दामोदरन

(6)

SEMESTER-I

PAPER-II

भक्तिकालीन हिन्दी कविता

(निर्गुण एवं रामभक्ति काव्यधारा)

Total No. of Credit – 06

Full Marks : 100

UNIT-I

निर्गुण भक्ति काव्य का स्वरूप, रामभक्ति काव्य का स्वरूप, प्रमुख कवि और प्रवृत्तियाँ

UNIT-II

कबीर – पद संख्या :- 2. रहना नहिं देस बिराना है,
4. साधो, देखा जग बौराना, 5. तोको पीव मिलेंगे।

UNIT-III

साखी – 1 to 21

UNIT-IV

मलिक मुहम्मद जायसी – नागमती वियोग – वर्णन

UNIT-V

तुलसी दास – भरत महिमा

अंक विभाजन :

विभाग-(क) उपर्युक्त इकाइयों से 05 प्रश्न पूछे जाएँगे। उनमें से 03 के उत्तर लिखने होंगे।

(प्रत्येक उत्तर 700-1000 शब्दों के बीच)

15×3 = 45

विभाग-(ख) उपर्युक्त इकाइयों से 04 पद्यांश पूछे जाएँगे। जिनमें से 03 की व्याख्या करनी होगी।

(प्रत्येक उत्तर 400-500 शब्दों के बीच)

5×3 = 15

विभाग-(ग) सभी इकाइयों में से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएँगे।

2×10 = 20

End Semester 80

Internal 20

Total 100

पाठ्य पुस्तक :

1. हिन्दी काव्य संग्रह, सं. रामवीर सिंह
केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा

सहायक ग्रंथ :

1. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पाण्डेय।
2. हिंदी सूफी काव्य की भूमिका – रामपूजन तिवारी।
3. राष्ट्रीय एकता, वर्तमान समस्याएँ और भक्ति साहित्य – कैलाश नारायण तिवारी।
4. कबीर की विचारधारा – गोविंद त्रिगुणायत।

(7)

SEMESTER-II

PAPER-III

हिन्दी साहित्य का इतिहास (भाग - 2)

Total No. of Credit – 06

Full Marks : 100

UNIT-I

आधुनिक काल की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनैतिक पृष्ठभूमि।
गद्य का उदभव एवं विकास। खड़ी बोली का साहित्य।

UNIT-II

भारतेन्दु युगीन काव्य, द्विवेदी युगीन काव्य तथा छायावादी कविता
(केवल कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ)

UNIT-III

प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, समकालीन कविता
(केवल काव्य प्रवृत्तियाँ)

UNIT-IV

गद्य की प्रमुख विधाओं का विकास : उपन्यास और कहानी।

UNIT-V

(क) नाटक, एकांकी, निबंध (उदभव और विकास)
(ख) अस्मिता विमर्श - दलित, स्त्री

अंक विभाजन :

विभाग-(क) उपर्युक्त इकाइयों से 05 प्रश्न पूछे जाएँगे। उनमें से 03 के उत्तर लिखने होंगे।

(प्रत्येक उत्तर 700-1000 शब्दों के बीच)

15×3 = 45

विभाग-(ख) उपर्युक्त इकाइयों से 05 संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। जिनमें से 03 के उत्तर लिखने होंगे।

(प्रत्येक उत्तर 400-500 शब्दों के बीच)

5×3 = 15

विभाग-(ग) सभी इकाइयों में से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएँगे।

2×10 = 20

End Semester 80

Internal 20

Total 100

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा, काशी
2. हिन्दी साहित्य का उदभव और विकास - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह
4. हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी - नन्द दुलारे वाजपेयी, इलाहाबाद
5. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ - रामविलास शर्मा, राजकमल, दिल्ली
6. हिन्दी दलित साहित्य - मोहनदास नैमिशराय, साहित्य अकादेमी

(8)

SEMESTER-II

PAPER-IV

कृष्णभक्ति एवं रीतिकालीन हिन्दी कविता

Total No. of Credit – 06

Full Marks : 100

UNIT-I

कृष्णभक्ति काव्य का स्वरूप, कृष्ण भक्ति के प्रमुख कवि

सूरदास : विनय के पद – 1 से 5

भ्रमरगीत – 6 से 10

UNIT-II

रसखान – पद

3 - मानुष हौं तो वही

4 - या लकुटि और कमरिया

6 - सेस गनेस महेस

10 - मोरपखा परि उपर

12 - कान्ह भये बस बाँसुरी के

UNIT-III

रीतिकालीन काव्य का स्वरूप, रीतिकाल के प्रमुख कवि, रीतिकालीन काव्य की प्रमुख विशेषताएँ

UNIT-IV

बिहारी : भक्ति, ऋतु वर्णन एवं नीति के दोहे (1 to 26)

UNIT-V

घनानन्द : प्रेम-साधना, प्रेम की अनन्यता, उपालंभ के पद (1, 2, 3, 4 और 5)

अंक विभाजन :

विभाग-(क) उपर्युक्त इकाइयों से 05 प्रश्न पूछे जाएँगे। उनमें से 03 के उत्तर लिखने होंगे।

(प्रत्येक उत्तर 700-1000 शब्दों के बीच)

15×3 = 45

विभाग-(ख) उपर्युक्त इकाइयों से 04 पद्यांश पूछे जाएँगे। जिनमें से 03 की व्याख्या करनी होंगे।

(प्रत्येक उत्तर 400-500 शब्दों के बीच)

5×3 = 15

विभाग-(ग) सभी इकाइयों में से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएँगे।

2×10 = 20

End Semester 80

Internal 20

Total 100

पाठ्य पुस्तक :

1. हिन्दी काव्य संग्रह, सं. रामवीर सिंह, के.हि.सं. आगरा

सहायक ग्रंथ :

1. रीतिकाव्य की भूमिका - डॉ. नगेंद्र
2. हिंदी साहित्य का उत्तर मध्यकाल - महेंद्र कुमार
3. बिहारी - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

(9)

SEMESTER-III

PAPER-V

अनुवाद सिद्धान्त

Total No. of Credit – 06

Full Marks : 100

UNIT-I

अनुवाद की परिभाषा एवं स्वरूप, अनुवाद के क्षेत्र, अनुवाद कला अथवा विज्ञान।

UNIT-II

अनुवाद की प्रक्रिया, अनुवाद तथा समतुल्यता का सिद्धान्त

UNIT-III

अनुवाद के प्रकार : साहित्यिक अनुवाद (भाषा अनुवाद),
कार्यालयी अनुवाद, सारानुवाद, भावानुवाद

UNIT-IV

व्यावहारिक अनुवाद : किसी अंग्रेजी अवतरण का हिन्दी में अनुवाद।
(केवल कार्यालयी अनुच्छेद ही दिया जाएगा)

UNIT-V

व्यावहारिक अनुवाद : किसी हिन्दी अवतरण का अंग्रेजी में अनुवाद
(केवल कार्यालयी अनुच्छेद ही दिया जाएगा)

अंक विभाजन :

विभाग-(क)	उपर्युक्त इकाइयों I, II और III से 03 प्रश्न पूछे जाएँगे। उनमें से 02 के उत्तर लिखने होंगे।	15×2 = 30
विभाग-(ख)	उपर्युक्त I, II और III इकाइयों से 03 संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें 02 के उत्तर लिखने होंगे।	5×2 = 10
विभाग-(ग)	Unit I, II और III से 05 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएँगे।	2×5 = 10
विभाग-(घ)	Unit IV और V से एक हिन्दी और अंग्रेजी के अनुच्छेद का अनुवाद करना होगा।	15×2 = 30

End Semester	80
Internal	20
Total	100

सहायक ग्रंथ :

- | | |
|-------------------------------|----------------------------|
| 1. अनुवाद के भाषिक सिद्धांत - | कैटफोट |
| 2. अनुवाद प्रविधि - | प्रो. बालेन्दु शेखर तिवारी |
| 3. अनुवाद के सिद्धांत - | आर. आर. रेड्डी |

SEMESTER-III**PAPER-VI**

हिन्दी कथा साहित्य (उपन्यास)

Total No. of Credit – 06

Full Marks : 100

UNIT-I

हिन्दी उपन्यास के उदभव और विकास में प्रेमचन्द का महत्व, प्रेमचन्द का उपन्यास साहित्य, प्रेमचन्द के उपन्यासों में भारतीय समाज एवं मेहनतकश वर्ग।

UNIT-II

प्रेमचन्द और कर्मभूमि, कर्मभूमि में स्वतन्त्रता आंदोलन का स्वरूप, कर्मभूमि की प्रमुख समस्याएँ।

UNIT-III

भगवतीचरण वर्मा का उपन्यास साहित्य, पाप और पुण्य की तलाश, चित्रलेखा की प्रमुख समस्याएँ।

UNIT-IV

कर्मभूमि – प्रेमचंद

UNIT-V

चित्रलेखा – भगवतीचरण वर्मा

अंक विभाजन :

विभाग-(क) उपर्युक्त इकाइयों से 05 प्रश्न पूछे जाएँगे। उनमें से 03 के उत्तर लिखने होंगे।

(प्रत्येक उत्तर 700-1000 शब्दों के बीच)

15×3 = 45

विभाग-(ख) उपर्युक्त इकाइयों से 05 संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। जिनमें से 03 के उत्तर लिखने होंगे।

(प्रत्येक उत्तर 400-500 शब्दों के बीच)

5×3 = 15

विभाग-(ग) सभी इकाइयों में से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएँगे।

2×10 = 20

End Semester	80
Internal	20
Total	100

सहायक ग्रंथ :

- | | |
|--------------------------------|--------------------------------|
| 1. प्रेमचंद और उनका युग - | रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन |
| 2. विरासत का सवाल - | शिवकुमार मिश्र |
| 3. हिंदी उपन्यास एक अंतर्गता - | रामदरश मिश्र |
| 4. उपन्यास के पहलू - | ई. एम. फोस्टर |

SEMESTER-III**PAPER-VII****हिन्दी कथा साहित्य (कहानी)**

Total No. of Credit – 06

Full Marks : 100

UNIT-I

उसने कहा था – चंद्रधर शर्मा गुलेरी
पुरस्कार – प्रसाद

UNIT-II

पूस की रात – प्रेमचन्द
मुगलों ने सल्तनत बख्श दी – भगवतीचरण वर्मा

UNIT-III

पंचलाईट – फणीश्वरनाथ रेणु
भोलाराम का जीव – हरिशंकर परसाई

UNIT-IV

कलाकार – राजेन्द्र यादव
मानसरोवर के हंस – कमलेश्वर

UNIT-V

वापसी – उषा प्रियंवदा
रानी माँ का चबूतरा – मन्नू भंडारी

अंक विभाजन :

विभाग-(क) उपर्युक्त इकाइयों से 05 प्रश्न पूछे जाएँगे। उनमें से 03 के उत्तर लिखने होंगे।

(प्रत्येक उत्तर 700-1000 शब्दों के बीच)

15×3 = 45

विभाग-(ख) उपर्युक्त इकाइयों से 05 संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। जिनमें से 03 के उत्तर लिखने होंगे।

(प्रत्येक उत्तर 400-500 शब्दों के बीच)

5×3 = 15

विभाग-(ग) सभी इकाइयों में से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएँगे।

2×10 = 20

End Semester 80

Internal 20

Total 100

पाठ्य पुस्तक :

1. आधुनिक कहानी संग्रह

सं. सरोजिनी शर्मा, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा

सहायक ग्रंथ :

1. कहानी नयी कहानी-

नामवर सिंह

2. नयी कहानी की भूमिका-

कमलेश्वर

3. हिंदी कहानी का इतिहास-

गोपाल राय

SEMESTER-IV**PAPER-VIII**

कथा इत्तर गद्य साहित्य

Total No. of Credit – 06

Full Marks : 100

UNIT-I

जीवनी – उद्देश्य, प्रस्तावना, जीवनी का स्वरूप
जीवनी साहित्य : परंपरा और विकास

UNIT-II

आत्मकथा – उद्देश्य, प्रस्तावना, आत्मकथा का स्वरूप,
आत्मकथा साहित्य : परंपरा और विकास

UNIT-III

रेखाचित्र – 'रेखाएँ और रेखाएँ',
संपादक – सुधाकर पाण्डेय, अनुराग प्रकाशन, वाराणसी
1. रजिया – रामवृक्ष बेनीपुरी
2. रामा – महादेवी वर्मा

UNIT-IV

पाठ्य पुस्तक :
आधुनिक निबंध संग्रह : सं. सुरेश कुमार, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।
1. नाखून क्यों बढ़ते हैं – हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. नये वर्ष के शुभ संकल्प – रामविलास शर्मा

UNIT-V

1. अमरनाथ की महायात्रा – कन्हैयालाल नंदन
2. छायावादी काव्य शैली – नामवर सिंह

अंक विभाजन :

विभाग-(क) उपर्युक्त इकाइयों से 05 प्रश्न पूछे जाएँगे। उनमें से 03 के उत्तर लिखने होंगे।

(प्रत्येक उत्तर 700-1000 शब्दों के बीच)

15×3 = 45

विभाग-(ख) उपर्युक्त III, IV, V इकाइयों से 04 गद्यांश पूछे जाएँगे। जिनमें से 03 की व्याख्या करनी होगी।

(प्रत्येक उत्तर 400-500 शब्दों के बीच)

5×3 = 15

विभाग-(ग) सभी इकाइयों में से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएँगे।

2×10 = 20

End Semester 80

Internal 20

Total 100

सहायक ग्रंथ :

1. प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार – विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन।
2. यात्रा साहित्य विद्या: शास्त्र और इतिहास- बापूराम देशाई, विकास प्रकाशन, कानपुर।
3. हिंदी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी।

SEMESTER-IV**PAPER-IX****आधुनिक हिन्दी कविता- (I)**

Total No. of Credit – 06

Full Marks : 100

UNIT-I

यशोधरा : मैथिलीशरण गुप्त : कविता सं.

1. घूम रहा है कैसा चक्र, 2. सखि वे मुझसे कहकर जाते, 3. आर्यपुत्र दे चुके परीक्षा
4. चुप रह चुप रह हाय अभाग, 5. रूदन का हसना ही तो गान, 6. पधारो भव-भव के भगवान

UNIT-II

जयशंकर प्रसाद -

1. आँसू - 1 से 20
2. ले चल मुझे भुलावा देकर

UNIT-III

निराला -

1. तोड़ती पत्थर
2. बादल राग
3. संध्या सुन्दरी

UNIT-IV

पंत : प्रथम रश्मि, ताज, गीत विहग

UNIT-V

महादेवी : मैं नीर भरी दुख की बदली, पंथ होने दो अपरिचित, मधुर-मधुर मेरे दीपक जल

अंक विभाजन :

विभाग-(क) उपर्युक्त इकाइयों से 05 प्रश्न पूछे जाएँगे। उनमें से 03 के उत्तर लिखने होंगे।

(प्रत्येक उत्तर 700-1000 शब्दों के बीच)

15×3 = 45

विभाग-(ख) उपर्युक्त इकाइयों से 05 पद्यांश पूछे जाएँगे। जिनमें से 03 की व्याख्या करनी होगी।

(प्रत्येक उत्तर 400-500 शब्दों के बीच)

5×3 = 15

विभाग-(ग) सभी इकाइयों में से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएँगे।

2×10 = 20

End Semester 80

Internal 20

Total 100

पाठ्य पुस्तक :

हिन्दी काव्य संग्रह - सं. रामवीर सिंह, के.हि.सं. आगरा।

सहायक ग्रंथ :

1. छायावाद - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ - नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. निराला : आत्महंता आस्था - दूधनाथ सिंह
4. जयशंकर प्रसाद - नंददुलारे बाजपेयी

SEMESTER-IV**PAPER-X****भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा**

Total No. of Credit – 06

Full Marks : 100

UNIT-I

भाषा की परिभाषा एवं स्वरूप, भाषा परिवर्तन के कारण।

UNIT-II

भाषा विज्ञान की परिभाषा एवं स्वरूप, ज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध।

UNIT-III

दक्खिनी हिन्दी भाषा का साहित्य खड़ी बाली और साहित्यिक भाषा के रूप में हिन्दी का उदभव और विकास

UNIT-IV

फोर्ट विलियम कॉलेज की भाषा-नीति

UNIT-V

हिन्दी के विविध रूप : राजभाषा, राष्ट्रभाषा, सम्पर्क भाषा, संचार भाषा

अंक विभाजन :

विभाग-(क) उपर्युक्त इकाइयों से 05 प्रश्न पूछे जाएँगे। उनमें से 03 के उत्तर लिखने होंगे।

(प्रत्येक उत्तर 700-1000 शब्दों के बीच)

15×3 = 45

विभाग-(ख) उपर्युक्त इकाइयों से 05 संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। जिनमें से 03 के उत्तर लिखने होंगे।

(प्रत्येक उत्तर 400-500 शब्दों के बीच)

5×3 = 15

विभाग-(ग) सभी इकाइयों में से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएँगे।

2×10 = 20

End Semester 80

Internal 20

Total 100

सहायक ग्रंथ :

- | | |
|---------------------------------|---|
| 1. भाषा विज्ञान की भूमिका - | देवेंद्रनाथ शर्मा, दीप्ति शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली |
| 2. हिन्दी : अदभव, विकास और रूप- | हरदेव बाहरी, किताब महल, नई दिल्ली |
| 3. हिंदी भाषा का इतिहास - | धीरेंद्र वर्मा |
| 4. भाषा और समाज - | रामविलास शर्मा, राकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। |

SEMESTER-V**PAPER-XI****हिन्दी नाटक और रंगमंच**

Total No. of Credit – 06

Full Marks : 100

UNIT-I

हिंदी नाटक और रंगमंच का परिचय, भारतीय रंगमंच, पाश्चात्य रंगमंच।

UNIT-II

‘चन्द्रगुप्त’ – प्रसाद

UNIT-III

‘आषाढ़ का एक दिन’ – मोहन राकेश

UNIT-IV

आधुनिक एकांकी संग्रह – सं सुरेश कुमार, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा

1. भोर का तारा – जगदीश चंद्र माथुर
2. औरंगजेब की आखिरी रात – रामकुमार वर्मा
3. शुभ्र पुरुष – सुमित्रानंदन पंत

UNIT-V

1. जुलूस – कणादि ऋषि भटनागर
2. नींद क्यों रात भर नहीं आती – सुरेद्र वर्मा
3. धीरे बहो गंगा – लक्ष्मीनारायण लाल

अंक विभाजन :

विभाग-(क) उपर्युक्त इकाइयों से 05 प्रश्न पूछे जाएँगे। उनमें से 03 के उत्तर लिखने होंगे।

(प्रत्येक उत्तर 700-1000 शब्दों के बीच)

15×3 = 45

विभाग-(ख) उपर्युक्त इकाइयों से 04 गद्यांश पूछे जाएँगे। जिनमें से 03 की व्याख्या करनी होगी।

(प्रत्येक उत्तर 400-500 शब्दों के बीच)

5×3 = 15

विभाग-(ग) सभी इकाइयों में से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएँगे।

2×10 = 20

End Semester 80

Internal 20

Total 100

सहायक ग्रंथ :

- | | |
|----------------------------------|--|
| 1. नाटककार जयशंकर प्रसाद- | सं. सत्येन्द्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन। |
| 2. हिन्दी नाटक - | बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद। |
| 3. आधुनिकता और मोहन राकेश- | डॉ. उर्मिला मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी। |
| 4. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच - | सं. नेमिचंद जैन। |

SEMESTER-V**PAPER-XII**

भारतीय काव्य शास्त्र

Total No. of Credit – 06

Full Marks : 100

UNIT-I

काव्य लक्षण, काव्य प्रयोजन, शब्द शक्ति

UNIT-II

रस सिद्धान्त : परिभाषा एवं स्वरूप, रसके प्रकार

UNIT-III

रीति सिद्धान्त : परिभाषा एवं स्वरूप, रीति के भेद

अलंकार : परिभाषा एवं स्वरूप, प्रमुख भेद

UNIT-IVअलंकार : लक्षण एवं उदाहरण : उपमा, रूपक, अनुप्रास, उत्प्रेक्षा, अन्योक्ति
यमक, श्लेष, भ्रान्तिमान, अतिसयोक्ति, वक्रोक्ति ।**UNIT-V**छंद : लक्षण एवं उदाहरण : दोहा, चौपाई, सवैया रोला, छप्पय, बरवै,
सोरठा, मन्दाक्रान्ता, धनाक्षरी, कुंडलिया ।

अंक विभाजन :

विभाग-(क) I, II और III इकाइयों से 03 प्रश्न पूछे जाएँगे ।

उनमें से 02 के उत्तर लिखने होंगे।

15×2 = 30

विभाग-(ख) उपयुक्त I, II और III इकाइयों से 03 संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे,

जिनमें से 02 के उत्तर लिखने होंगे ।

2×5 = 10

विभाग-(ग) Unit IV एवं V से 07 अलंकार एवं 07 छन्द पूछे जाएँगे/

उनमें से 04 अलंकार एवं 04 छन्द के उत्तर लिखने होंगे ।

अलंकार 5×4 = 20

छन्द 5×4 = 20

End Semester 80

Internal 20

Total 100

सहायक ग्रंथ :

- | | |
|---------------------------|---------------------------------------|
| 1. भारतीय काव्यशास्त्र - | भगीरथ मिश्र |
| 2. भारतीय काव्य शास्त्र - | सत्यदेव चौधरी, अलंकार प्रकाशन, दिल्ली |
| 3. भारतीय काव्य शास्त्र- | नगेंद्र, नैशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली |
| 4. अलंकार मुक्तावली - | देवेन्द्रनाथ शर्मा |

SEMESTER-VI**PAPER-XIII****आधुनिक हिन्दी कविता (2)**

Total No. of Credit – 06

Full Marks : 100

UNIT-I

जनतन्त्र का जन्म,
अभिनव मनुष्य – राममधारी सिंह दिनकर

UNIT-II

पथ की पहचान – बच्चन
हिरोशिमा
कलगी बाजरे की – अज्ञेय

UNIT-III

गीतफरोश, अभिव्यक्ति – भवानी प्रसाद मिश्र
होना तो उनका है

UNIT-IV

टूटा पहिया, कस्बे की शाम – धर्मवीर भारती
बहुत दिनों के बाद – नागार्जुन

UNIT-V

मोचीराम – धूमिल
रामदास – रघुवीर सहाय

अंक विभाजन :

विभाग-(क) उपर्युक्त इकाइयों से 05 प्रश्न पूछे जाएँगे। उनमें से 03 के उत्तर लिखने होंगे।

(प्रत्येक उत्तर 700-1000 शब्दों के बीच)

15×3 = 45

विभाग-(ख) उपर्युक्त इकाइयों से 05 पद्यांश पूछे जाएँगे। जिनमें से 03 की व्याख्या करनी होगी।

(प्रत्येक उत्तर 400-500 शब्दों के बीच)

5×3 = 15

विभाग-(ग) सभी इकाइयों में से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएँगे।

2×10 = 20

End Semester 80

Internal 20

Total 100

पाठ्य पुस्तक :

हिन्दी काव्य संग्रह – केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा

सहायक ग्रंथ :

1. आधुनिक हिन्दी कविता का विकास – हेतुभारद्वाज
2. कविता के नये प्रतिमान – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. नयी कविता और अस्तित्ववाद – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. समकालीन कविता का यथार्थ – परमानंद त्रीवास्तव
5. समकालीन हिन्दी कविता – रवींद्र भ्रमर
6. स्वातन्त्रोत्तर हिन्दी कविता में राजनैतिक चेतना – डॉ. उसमान खाँ

SEMESTER-VI**PAPER-XIV**

पाश्चात्य काव्य शास्त्र

Total No. of Credit – 06

Full Marks : 100

UNIT-I

प्लेटो : काव्य, सत्य और अनुकरण

आरस्तू : विरेचन सिद्धान्त

UNIT-II

लोगिनुस : काव्य में उदात्त

विलियम वड्सवर्थ : कविता क्या है तथा कविता का स्वरूप

UNIT-III

मैथ्यू आर्नल्ड : कविता और जीवन, कविता और समाज

आई.ए.रिचर्ड्स : मूल्य सिद्धान्त

UNIT-IV

बिम्बवाद, प्रतीकवाद

UNIT-V

स्वच्छंदतावाद, मार्क्सवादी आलोचना

अंक विभाजन :

विभाग-(क) उपर्युक्त इकाइयों से 05 प्रश्न पूछे जाएँगे। उनमें से 03 के उत्तर लिखने होंगे।

(प्रत्येक उत्तर 700-1000 शब्दों के बीच)

15×3 = 45

विभाग-(ख) उपर्युक्त इकाइयों से 05 संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। जिनमें से 03 के उत्तर लिखने होंगे।

(प्रत्येक उत्तर 400-500 शब्दों के बीच)

5×3 = 15

विभाग-(ग) सभी इकाइयों में से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएँगे।

2×10 = 20

End Semester 80

Internal 20

Total 100

सहायक ग्रंथ :

1. पाश्चात्य साहित्य-चिंतन - निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - इतिहास सिद्धांत और वाद - भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. पाश्चात्य समीक्षा दर्शन - जगदीश चंद्र जैन, हिंदी प्रचारक संस्थान, वाराणसी
4. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा - रामचंद्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

(24)

SEMESTER-V

DSE - I

हिन्दी आलोचक और आलोचना

Total No. of Credit – 06

Full Marks : 100

UNIT-I

रामचन्द्र शुक्ल : आचार्य शुक्ल की आलोचना दृष्टि तुलसीदास और सूरदास के सन्दर्भ में ।

UNIT-II

आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी : भक्तिकाल और कबीरदास संबंधी उनकी आलोचनात्मक दृष्टि ।

UNIT-III

डॉ. रामविलास शर्मा : रामविलास शर्मा की दृष्टि में प्रेमचन्द ।

UNIT-IV

डॉ. नगेन्द्र : डॉ. नगेन्द्र की रीतिकाल संबंधी मान्यताएँ ।

UNIT-V

डॉ. नामवर सिंह : नामवर सिंह के छायावाद संबंधी दृष्टिकोण ।

अंक विभाजन :

विभाग-(क)	उपर्युक्त इकाइयों से 05 प्रश्न पूछे जाएँगे । उनमें से 03 के उत्तर लिखने होंगे। (प्रत्येक उत्तर 700-1000 शब्दों के बीच)	15×3 = 45
विभाग-(ख)	उपर्युक्त इकाइयों से 05 संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे । उनमें से 03 के उत्तर लिखने होंगे । (प्रत्येक उत्तर 400-500 शब्दों के बीच)	5×3 = 15
विभाग-(ग)	सभी इकाइयों में से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएँगे ।	2×10 = 20
End Semester		80
Internal		20
Total		100

सहायक ग्रन्थ :

1. त्रिवेणी - रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती, इलाहाबाद
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. प्रेमचन्द और उनका युग - रामविलास शर्मा, राजकमल, दिल्ली
4. आधुनिक हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ - डॉ. नामवर सिंह, राजकमल, दिल्ली
5. रीतिकाव्य की भूमिका - डॉ. नगेन्द्र, नैसनल, दिल्ली

(25)

SEMESTER-V

DSE - II

तुलसीदास

Total No. of Credit – 06

Full Marks : 100

UNIT-I

तुलसी और उनका युग / तुलसी की भक्ति भावना। रामकाव्य की परम्परा और तुलसी।

UNIT-II

तुलसी की प्रमुख रचनाएँ/तुलसी के नारी संबंधी विचार/तुलसी का समन्वयवाद।

UNIT-III

पाठ्यपुस्तक : रामचरितमानस : तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर (अयोध्याकाण्ड पद सं. 1 to 50)

UNIT-IV

विनयपत्रिका : तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर, प्रथम 1-20 पद

UNIT-V

दोहावली : तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर, प्रथम 1 स- 25 दोहे

अंक विभाजन :

विभाग-(क)	उपर्युक्त इकाइयों से 05 प्रश्न पूछे जाएँगे। उनमें से 03 के उत्तर लिखने होंगे। (प्रत्येक उत्तर 700-1000 शब्दों के बीच)	15×3 = 45
विभाग-(ख)	उपर्युक्त इकाइयों से 05 संक्षिप्त प्रश्न पद्यांश पूछे जाएँगे। उनमें से 03 के उत्तर लिखने होंगे। (प्रत्येक उत्तर 400-500 शब्दों के बीच)	5×3 = 15
विभाग-(ग)	सभी इकाइयों में से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएँगे।	2×10 = 20
End Semester		80
Internal		20
Total		100

सहायक ग्रन्थ :

1. तुलसीदास : डॉ. माताप्रसाद गुप्त, हिन्दी परिषद प्रयाग
2. तुलसी और उनका युग : डॉ. राजपति दीक्षित, इनमण्डल, काशी
3. तुलसी आधुनिक वातायन से : रमेश कुन्तल मेध
4. गोस्वामी तुलसीदास की दृष्टि में नारी और उसका महत्व :
ज्ञानवती त्रिवेदी, काशी हिन्दु विश्व विद्यालय प्रकाशन।

(26)

SEMESTER-V

DSE - III

प्रेमचन्द

Total No. of Credit – 06

Full Marks : 100

UNIT-I

प्रेमचन्द और उनका युग। प्रेमचन्द का जीवन। प्रेमचन्द और भारतीय स्वतन्त्रता आंदोलन।

UNIT-II

प्रेमचन्द और भारतीय किसान। कहानीकार प्रेमचन्द। उपन्यासकार के रूप में प्रेमचन्द।

UNIT-III

निर्मला : प्रेमचन्द

UNIT-IV

मानसरोवर, भाग-१

1. अलग्योझा
2. ईदगाह
3. बड़े भाई साहब
4. ठाकुर का कुआँ
5. पूस की रात

UNIT-V

कुछ विचार : प्रेमचन्द, लोकभारती प्रकाशन

१. साहित्य का उद्देश्य
२. राष्ट्रभाषा हिन्दी और उसकी समस्याएँ
३. उर्दू, हिन्दी और हिन्दुस्तानी

अंक विभाजन :

विभाग-(क)	उपर्युक्त इकाइयों से 05 प्रश्न पूछे जाएँगे। उनमें से 03 के उत्तर लिखने होंगे। (प्रत्येक उत्तर 700-1000 शब्दों के बीच)	15×3 = 45
विभाग-(ख)	उपर्युक्त इकाइयों से 05 संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। उनमें से 03 के उत्तर लिखने होंगे। (प्रत्येक उत्तर 400-500 शब्दों के बीच)	5×3 = 15
विभाग-(ग)	सभी इकाइयों में से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएँगे।	2×10 = 20
End Semester		80
Internal		20
Total		100

सहायक ग्रन्थ :

1. प्रेमचन्द और उनका युग : रामविलास शर्मा, राजकाल, नयी दिल्ली
2. हिन्दी उपन्यास : आचार्य रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन
3. प्रेमचन्द : एक विवेचन : इन्द्रनाथ मदान
4. कहानीकार प्रेमचन्द : रचनादृष्टि और रचना शिल्प - शिवकुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

(27)

SEMESTER-V

DSE - IV

रामधारी सिंह दिनकर

Total No. of Credit – 06

Full Marks : 100

UNIT-I

दिनकर का युग, दिनकर का व्यक्तित्व, दिनकर के काव्य पर राष्ट्रीय स्वतन्त्रता आंदोलन का प्रभाव।

UNIT-II

दिनकर के प्रबंध काव्य : कुरुक्षेत्र, रश्मिरथी एवं उर्वशी (केवल आलोचनात्मक अध्ययन)

UNIT-III

दिनकर के मुक्तक काव्य : रेणुका, हुँकार, सामधेनी, दिल्ली (केवल आलोचनात्मक अध्ययन)

UNIT-IV

कुरुक्षेत्र : तृतीय सर्ग

UNIT-V

संस्कृति के चार अध्याय (केवल आलोचनात्मक अध्ययन)

1. आर्य और आर्येतर संस्कृति का मिलन
2. भारत में यूरोप का आगमन
3. शिक्षा में क्रांति

अंक विभाजन :

विभाग-(क) उपर्युक्त इकाइयों से 05 प्रश्न पूछे जाएँगे। उनमें से 03 के उत्तर लिखने होंगे।
(प्रत्येक उत्तर 700-1000 शब्दों के बीच)

15×3 = 45

विभाग-(ख) उपर्युक्त इकाइयों से 05 संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। उनमें से 03 के उत्तर लिखने होंगे।
(प्रत्येक उत्तर 400-500 शब्दों के बीच)

5×3 = 15

विभाग-(ग) सभी इकाइयों में से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएँगे।

2×10 = 20

End Semester 80

Internal 20

Total 100

सहायक ग्रन्थ :

1. कवि की दृष्टि : भारत भूषण अग्रवाल, मैकमिलन, नयी दिल्ली
2. दिनकर की डायरी : रामधारी सिंह दिनकर, नैसनल, दिल्ली
3. संस्कृति के चार अध्याय : दिनकर, राजपाल, दिल्ली
4. युगचारण दिनकर : डा. सावित्री सिन्हा, राधा कृष्ण, दिल्ली



UTKAL UNIVERSITY

Ability Enhancement Compulsory Course-I (AECC-I)

ENVIRONMENTAL STUDIES

SEMESTER – I

FOR +3 ARTS, SCIENCE & COMMERCE - 2016

FULL MARKS: 100

TIME: 3 HOURS
TIME: 1 HOUR

END SEMESTER: 80
MID SEMESTER: 20

Unit - I

The Environment: The Atmosphere, Hydrosphere, Lithosphere, Biosphere, Ecology, Ecosystem, Biogeochemical Cycle (Carbon Cycle, Nitrogen Cycle).

Unit – II

Environment Pollution: Air Pollution, Water Pollution, Soil Pollution, Noise Pollution, Thermal Pollution, Radiation Pollution, Natural Disasters and their Management.

Unit – III

Population Ecology: Individuals, Species, Pollution, Community, Control Methods of Population, Urbanization and its effects on Society, Communicable Diseases and its Transmission, Non-Communicable Diseases.

Unit- IV

Environmental Movements in India: Grassroot Environmental movements in India, Role of women, Environmental Movements in Odisha, State Pollution Control Board, Central Pollution Control Board.

Unit – V

Natural Resources: Conservation of Natural Resources, Management and Conservation of Wildlife, Soil Erosion and Conservation, Environmental Laws: Water Act, 1974, Air Act, 1981, The Wildlife (Protection) Act, 1972, Environment Protection, 1986.

ଦକ୍ଷତାବର୍ଦ୍ଧକ ବାଧ୍ୟତାମୂଳକ ପାଠ୍ୟକ୍ରମ
Ability Enhancement Compulsory Course (AECC)
ଯୋଗାଯୋଗମୂଳକ ମାତୃଭାଷା – ଓଡ଼ିଆ
(୨୦୧୭-୧୭)

MIL Communications – Odia
ଦ୍ୱିତୀୟ ପର୍ଯ୍ୟାୟ (2nd Semester) କଳା ଓ ବିଜ୍ଞାନ
(ସାଧାରଣ Pass/ ସମ୍ମାନ Hons) ଶ୍ରେଣୀ ପାଇଁ ଉଦ୍ଦିଷ୍ଟ

ଆସ୍ଥାମୂଲ୍ୟାଙ୍କ-୪, ମୋଟ ଶ୍ରେଣୀ ପାଠଦାନ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ - ୪୦, ଗୋଟିଏ ଶ୍ରେଣୀ ପାଠଦାନର
(ପିରିୟଡ୍) ସମୟ ଅବଧି - ୪୫ ମିନିଟ୍, ପାଠ୍ୟକ୍ରମ - ୨, ପୂର୍ଣ୍ଣସଂଖ୍ୟା - ୧୦୦

(Credits – 4) Total Classes - 40, One Period - 45 Mins, Course - II, Full Marks - 100

ପାଠ୍ୟକ୍ରମର ଭୂମିକା :

ଏହି ପାଠ୍ୟକ୍ରମଟି ପସନ୍ଦ ଓ ଆସ୍ଥାଭିତ୍ତିକ (CBCS / ସିବିସିଏସ୍) ପାଠ୍ୟ ପ୍ରଣାଳୀ ଅନୁସାରେ ପ୍ରସ୍ତୁତ ହୋଇଛି । ବିଭିନ୍ନ ସ୍ତରରେ ଆବଶ୍ୟକ ଅନୁସାରେ ସମସାମୟିକ ପରିସ୍ଥିତିକୁ ନେଇ ଭାବବିନିମୟ ଓ ପାରସ୍ପରିକ ଯୋଗାଯୋଗ ସ୍ଥାପନ କିପରି ଓଡ଼ିଆ ଭାଷାରେ ସହଜରେ, ସରଳରେ ଓ ଆନନ୍ଦରେ ହୋଇପାରିବ – ଏ ଦିଗ ପ୍ରତି ଏଥିରେ ଧ୍ୟାନ ଦିଆଯାଇଛି । ଓଡ଼ିଆ ଭାଷା ଓ ସାହିତ୍ୟର ସଦ୍ୟତମ ପ୍ରାୟୋଗିକ ଜ୍ଞାନର ବିକାଶ ନିମିତ୍ତ ଏହା ସୁରାୟ ବିଦ୍ୟାର୍ଥୀଙ୍କୁ ଏହି ପାଠ୍ୟକ୍ରମର ଖସଡ଼ାଟି ସାହାଯ୍ୟ କରିବ । ସେଥିପାଇଁ ପ୍ରଚଳିତ ଭାଷାର ବୈୟାକରଣିକ, ବ୍ୟାବହାରିକ ଓ ପ୍ରାୟୋଗିକ ଦିଗ ପ୍ରତି ଏଥିରେ ଧ୍ୟାନ ଦିଆଯାଇଛି । ଏଥିରେ ସଂଯୋଗ ପ୍ରକ୍ରିୟାର ଅନୁବିଧି, ଯୋଗାଯୋଗର ତଥ୍ୟ ଓ ତତ୍ତ୍ୱ ପ୍ରତି ଗୁରୁତ୍ୱ ଦିଆଯାଇଛି । ଏହା ବିଦ୍ୟାର୍ଥୀଙ୍କ ଭାବବିନିମୟାତ୍ମକ ଦକ୍ଷତା ବୃଦ୍ଧିରେ ସାହାଯ୍ୟ କରିବ । ସେମାନେ ଶୁଦ୍ଧ ଓ ପରିଚ୍ଛନ୍ନ ଭାବରେ ଯେକୌଣସି ପ୍ରକାର ଜ୍ଞାନର ସୂଚନା ତଥ୍ୟ ଓ ସିଦ୍ଧାନ୍ତକୁ ମୌଖିକ ଓ ଲିଖିତ ସ୍ତରରେ ସହଜରେ ପ୍ରକାଶ କରିପାରିବେ ଏବଂ ସେମାନଙ୍କ ମାତୃଭାଷାର ବିକାଶ ଘଟିପାରିବ ।

ମୂଲ୍ୟାଙ୍କନ ବିଭାଜନ ପଦ୍ଧତି :

କ) ନିର୍ଦ୍ଧାରିତ ପାଠ୍ୟର ସବୁ ଏକକ (ୟୁନିଟ୍) ରୁ ଅନ୍ତତଃ ଦୁଇଟି ଲେଖାଏଁ ମୋଟ ୧୦ଟି ୧୨ନମ୍ବର ବିଶିଷ୍ଟ ଦୀର୍ଘପ୍ରଶ୍ନ ପଡ଼ିବ । ବିଦ୍ୟାର୍ଥୀଙ୍କୁ ଯେକୌଣସି ୫ଟି ପ୍ରଶ୍ନର ଉତ୍ତର ଦେବାକୁ ପଡ଼ିବ ।

$$(୧୨ \times ୫ = ୬୦)$$

ଖ) ନିର୍ଦ୍ଧାରିତ ପାଠ୍ୟର ସବୁ ଏକକରୁ ୧୫ଟି ଅତିସଂକ୍ଷିପ୍ତ ପ୍ରଶ୍ନ ପଡ଼ିବ । ସେଥିରୁ ୧୦ଟି ପ୍ରଶ୍ନର ଉତ୍ତର ଦେବାକୁ ପଡ଼ିବ ।

$$(୧୦ \times ୯ = ୯୦)$$

ଗ) ମହାବିଦ୍ୟାଳୟ ସୁରାୟ ଆନ୍ତଃ ପର୍ଯ୍ୟାୟ ପରୀକ୍ଷା _____ (୨୦)

ମୋଟ ମୂଲ୍ୟାଙ୍କନ - ୧୦୦

ସବିଶେଷ ପାଠ୍ୟ

ଯୋଗାଯୋଗମୂଳକ ମାତୃଭାଷା – ଓଡ଼ିଆ (AECC)

ପାଠ୍ୟ-୧ / **Course – 1** : ଯୋଗାଯୋଗ ଅନୁବିଧି, ରୀତି ଓ ମାଧ୍ୟମ

୧ମ ଏକକ : ଯୋଗାଯୋଗର ପରିଭାଷା, ଅନୁବିଧି, ପରିସର ଓ ପ୍ରକାରଭେଦ

୨ୟ ଏକକ : ସାକ୍ଷାତଦକାର, ଦଳଗତ ଆଲୋଚନା ଓ ଡିଜିଟାଲ୍

୩ୟ ଏକକ : ଭାଷଣ କଳା, ଘୋଷଣା କଳା ଓ କଥନକଳା

୪ର୍ଥ ଏକକ : ସମ୍ବାଦର ପରିଭାଷା, ପରିସର ଓ ଗଣମାଧ୍ୟମ୍ୟର ସମ୍ବାଦ ପ୍ରସ୍ତୁତି

୫ମ ଏକକ : ଓଡ଼ିଆ ଭାଷାର ବର୍ଣ୍ଣମାଳା ଓ ବର୍ଣ୍ଣଶୁଦ୍ଧିର କାରଣ ଓ ନିରାକରଣ ।

(ବନାନ ତୁଟି ଓ ଏହାର କାରଣ - ସାଦୃଶ୍ୟଜନିତ ଅଶୁଦ୍ଧି, ଲିଙ୍ଗଗତ ଅଶୁଦ୍ଧି, ସନ୍ଦିଗ୍ଧ ଅଶୁଦ୍ଧି, ସମାସଗତ ଅଶୁଦ୍ଧି, ବଚନ ଓ ବିଭକ୍ତିଗତ ଅଶୁଦ୍ଧି, ବାକ୍ୟ ବିଧିଜନିତ ଅଶୁଦ୍ଧି, ସମାର୍ଥବୋଧକ ଶବ୍ଦାଶୁଦ୍ଧି, ପ୍ରତ୍ୟୟ ଜନିତ ଅଶୁଦ୍ଧି, ଶବ୍ଦ ସଂଯୋଗାତ୍ମକ ଓ ସ୍ଵରସଙ୍ଗତି ଜନିତ ଅଶୁଦ୍ଧି - ଏସବୁର ନିରାକରଣ ଉପାୟ ବହୁ ପ୍ରଚଳିତ ବିଧାନ ଓ ଶୁଦ୍ଧାଶୁଦ୍ଧ ବିରୁଦ୍ଧ ।)

ସହାୟକ ଗ୍ରନ୍ଥସୂଚୀ

୧. ଶବ୍ଦର ଆକାଶ ଓ ଦୃଶ୍ୟର ଦିଗ୍‌ବଳୟ - ଶତପଥୀ ରବି, କଟକ
୨. ମଞ୍ଚ ଓ ନାଟକର କଳାକୌଶଳ - ସାହୁ, ନାରାୟଣ, ଓଡ଼ିଶା ରାଜ୍ୟ ପାଠ୍ୟପୁସ୍ତକ ଓ ପ୍ରକାଶନ ସଂସ୍ଥା
୩. ଲିଖନକଳା ଓ ପ୍ରାୟୋଗିକ ବ୍ୟାକରଣ - ମିଶ୍ର, ଅଜୟ କୁମାର, କଲ୍ୟାଣୀ ପବ୍ଲିଶିଂ, କଟକ
୪. ପ୍ରାୟୋଗିକ ଓଡ଼ିଆ ଭାଷା - ଓଡ଼ିଶା ରାଜ୍ୟପାଠ୍ୟ ପୁସ୍ତକ ପ୍ରୟୋଗ ଓ ପ୍ରକାଶନ ସଂସ୍ଥା, ଭୁବନେଶ୍ୱର
୫. ପୁସ୍ତକ ରଚନାବିଧି - ଓଡ଼ିଶା ରାଜ୍ୟପାଠ୍ୟ ପୁସ୍ତକ ପ୍ରୟୋଗ ଓ ପ୍ରକାଶନ ସଂସ୍ଥା, ଭୁବନେଶ୍ୱର
୬. ନିର୍ଭୁଲ ଲେଖାର ମୂଳସୂତ୍ର - ହରିଚନ୍ଦନ ନାଳାହିତୁଷଣ, ପି.ସି.ଆର୍ ପବ୍ଲିକେଶନ, ଭୁବନେଶ୍ୱର
୭. ସଂଯୋଗ ଅନୁବିଧି / ବ୍ୟାବହାରିକ ଓଡ଼ିଆ ଭାଷା ଓ ପ୍ରାୟୋଗାତ୍ମକ ବ୍ୟାକରଣ - ତ୍ରିପାଠୀ ସନ୍ତୋଷ, ନାଲନ୍ଦା, କଟକ
୮. ଓଡ଼ିଆ ପ୍ରକାଶନ ଓ ପ୍ରସାରଣର ଇତିହାସ - ମହାପାତ୍ର ଶ୍ରୀଧର, ଗ୍ରନ୍ଥମନ୍ଦିର, କଟକ
୯. ସାରସ୍ୱତ ସାକ୍ଷାତକାର - ସିଂହ ବିଜୟାନନ୍ଦ, ବିଦ୍ୟାପୁରୀ, କଟକ
୧୦. ସମ୍ବାଦ ଓ ସାମ୍ବାଦିକତା-ମହାପାତ୍ର ଚନ୍ଦ୍ରଶେଖର, ଓଡ଼ିଶା ପାଠ୍ୟପୁସ୍ତକ ପ୍ରକାଶନ ସଂସ୍ଥା, ଭୁବନେଶ୍ୱର
୧୧. ବେତାର ନାଟକ କଳା - ମହାନ୍ତି, ବ୍ରଜମୋହନ, ଓଡ଼ିଶା ବୁକ୍‌ଷ୍ଟୋର, କଟକ
୧୨. ଓଡ଼ିଶାର ଥିଏଟର - ସଂ. ଦାଶ ଗୌରାଙ୍ଗ ଚରଣ, କଟକ ଘର, ଅନୁଗୋଳ
୧୩. ବାଣିଜ୍ୟିକ ପତ୍ରାବଳୀ - ବେହେରା ଡ. କୃଷ୍ଣଚରଣ, ଫ୍ରେଣ୍ଡ୍‌ସ୍ ପବ୍ଲିଶିଂ
୧୪. ଓଡ଼ିଆ ସାହିତ୍ୟକୁ ଆକାଶବାଣୀର ଦାନ- ମହାନ୍ତି, ବ୍ରଜ ମୋହନ, ଓଡ଼ିଶା ବୁକ୍‌ଷ୍ଟୋର, କଟକ
୧୫. ଯୋଗାଯୋଗ ମୂଳକ ମାତୃଭାଷା (ଓଡ଼ିଆ) ସାମଲ, ବିରଞ୍ଚି ନାରାୟଣ, ସତ୍ୟନାରାୟଣ ବୁକ୍‌ଷ୍ଟୋର, କଟକ ।

CBCS UG Syllabus

MIL Communication- Alternative English for Arts/Science/Commerce (Pass & Hons)

Alternative English

Objective

This course is focused on developing communicative competence in English with knowledge of the building blocks of grammar, usage and vocabulary. Core competencies in reading and thinking are sought to be encouraged through suitable reading content in prose form. Similarly writing activities and language exercises are provided to facilitate absorption of the rules of syntax and etiquettes of style.

Unit 1

Short Story

Jim Corbett- The Fight between Leopards

Dash Benhur- The Bicycle

Dinanath Pathy- George V High School

Alexander Baron- The Man who knew too much

Will F Jenkins- Uneasy Homecoming

Unit II

Prose

C V Raman- Water- The Elixir of Life

Harold Nicolson- An Educated Person

Claire Needell Hollander- No Learning without Feeling

Steven Harvey- The Empty Page

Santosh Desai- Emoji Disruption

Unit III

Comprehension of a passage from any of the prescribed pieces and answering the questions

Unit IV

Expanding an idea into a paragraph

Unit V

Language exercises- test of vocabulary, usage and grammar based on the prescribed pieces

Prescribed Text

The Widening Arc: A Selection of Prose and Stories. Ed. Asim R Parhi, S Deepika and Pulastya Jani. Kitab Bhavan, Bhubaneswar. 2016.

Suggested Reading:

Fluency in English – Part II, OUP, 2006

Communicative English. E. Suresh Kumar and P. Sreehari

(19)

SEMESTER- I / II

AECC : HINDI (MIL)

Total No. of Credit – 02

Full Marks : 50

UNIT-I

कविता

- (i) कबीर – साखी : 1 से 10
- (ii) तुलसी – विनयपत्रिका – पद 1 और 2
- (iii) प्रसाद – मधुमय देश
- (iv) निराला – भिक्षुक
- (v) अज्ञेय – हिरोशिमा

UNIT-II

गद्य

- (i) रामचन्द्र शुक्ल – उत्साह
- (ii) हजारी प्रसाद द्विवेदी – कुटज
- (iii) हरिशंकर परसाई – सदाचार का तावीज

UNIT-III

शब्द ज्ञान

- (i) शब्द शुद्धि
- (ii) वाक्य शुद्धि
- (iii) पर्यायवाची शब्द
- (iv) विलोम शब्द

UNIT-IV

सामान्य ज्ञान

- (i) निबंध लेखन (Essay Writing)

अंक विभाजन :

विभाग-(क) उपर्युक्त इकाइयों I, II, और IV से 03 प्रश्न पूछे जाएँगे। उनमें से 02 के उत्तर लिखने होंगे।

(प्रत्येक उत्तर 700-1000 शब्दों के बीच)

10×2 = 20

विभाग-(ख) उपर्युक्त इकाइयों I और II से 04 पद्यांश/गद्यांश पूछे जाएँगे। जिनमें से 02 के उत्तर लिखने होंगे।

(प्रत्येक उत्तर 400-500 शब्दों के बीच)

5×2 = 10

विभाग-(ग) युनिट III से अति संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे।

2×5 = 10

End Semester	40
Internal	10
Total	50

पाठ्य पुस्तक :

1. हिन्दी प्रसून – सं. डॉ अंजुमन आरा, प्लानेट भी, कटक

SEC – 1 - ENGLISH COMMUNICATION

The purpose of this course is twofold: to train students in communication skills and to help develop in them a facility for communicative English.

Since language it is which binds society together and serves as a crucial medium of interaction as well as interchange of ideas and thoughts, it is important that students develop a capacity for clear and effective communication, spoken and written, at a relatively young age. The need has become even more urgent in an era of globalization and the increasing social and cultural diversity that comes with it.

English, being a global language par excellence, it is important that any course in communication is tied to an English proficiency programme. The present course will seek to create academic and social English competencies in speaking, listening, arguing, enunciation, reading, writing and interpreting, grammar and usage, vocabulary, syntax, and rhetorical patterns.

Students, at the end of the course, should be able to unlock the communicator in them by using English appropriately and with confidence for further studies or in professional spheres where English is the indispensable tool of communication.

Unit 1

Introduction

1. What is communication?
2. Types of communication
 - Horizontal
 - Vertical
 - Interpersonal
 - Grapevine
3. Uses of Communication

Prescribed Reading: Chapter 1 *Applying Communication Theory for Professional Life: A Practical Introduction* by Dainton and Zelle

<http://tsime.uz.ac.zw/claroline/backends/download.php?url=L0ludHJvX3RvX2NvbW11bmliYXRpb25fVGh1b3J5LnBkZg%3D%3D&cidReset=true&cidReq=MBA563>

Unit 2

Language of Communication

1. Verbal: spoken and written
2. Non-verbal
 - Proxemics
 - Kinesics
 - Haptics
 - Chronemics
 - Paralinguistics
3. Barriers to communication
4. Communicative English

Unit 3

Reading Comprehension

- Locate and remember the most important points in the reading
- Interpret and evaluate events, ideas, and information
- Read “between the lines” to understand underlying meanings
- Connect information to what they already know

Unit 4

Writing

- Expanding an Idea
- Note Making
- Information Transfer
- Writing a Memo
- Writing Formal Email
- Writing a Business Letter
- Letters to the Editor
- CV & Resume Writing
- Covering Letter
- Report Writing
- News Story
- Interviewing for news papers

Unit 5: Language functions in listening and conversation

1. Discussion on a given topic in pairs
2. Speaking on a given topic individually
3. Group Discussion
4. Interview
5. Dialogue

Grammar and Usage

1. Phrasal Verbs
2. Collocation
3. Using Modals
4. Use of Prepositions
5. Common Errors in English Usage

Texts to be studied (The following texts are available in the book *Vistas and Visions: An Anthology of Prose and Poetry*)

Prose

- Decoding Newspapers
- Pleasures of Ignorance
- Playing the English Gentleman
- Lifestyle English
- A Cup of Tea

Poetry

- Last Sonnet
- Sonnet 46 (Shakespeare)
- Pigeons
- Miracles

Books Recommended:

1. *Vistas and Visions: An Anthology of Prose and Poetry*. (Ed.) Kalyani Samantray, Himansu S. Mohapatra, Jatindra K. Nayak, Gopa Ranjan Mishra, Arun Kumar Mohanty. Orient BlackSwan
2. *Fluency in English – Part II*, OUP, 2006
3. *Business English*, Pearson, 2008
4. *Communicative English*. E. Suresh Kumar and P. Sreehari
5. *Language, Literature and Creativity*, Orient BlackSwan, 2013
6. *Language through Literature*. (forthcoming) ed. Gauri Mishra, Dr. Ranajan Kaul, Dr. Brati Biswas

SEC-II (4TH SEMESTER) FOR ARTS & SCIENCE (PASS & HONS.)

MODERN OFFICE MANAGEMENT

Full marks – 100

Mid Term-20

End Term-80

Unit- I: Office

What is a Business Enterprise? What is an Office? Who are Office Staff? What are the most Common Forms of Business Organization? What are the Advantages of Office Work? What are the Categories of Office Career and Job Classifications under Each Category? What are the Specific Skill Requirements for Office Jobs? Duties and Responsibilities of Office Staff

Unit-II: Records Management

Objectives of Record Keeping; What is Filing? What are the Different Kinds of Filing System? Steps in Filing; Indexing; Selecting the Appropriate Filing System; How to handle Incoming & Outgoing Mails

Unit –III: Document/Report Writing

Key points to write a document: The 5w-h plan for writing; Steps in writing workplace documents; Important things to remember when editing seven layout mistakes to avoid; Quick tips for report Writing; Basics of Meetings

Unit-IV: Supervisory Skills

What are the Skills of the Supervisor and How to Acquire Them? Functions of Supervisor

Communication

Meaning; Process; Communicating Tools; Types, Barriers

Unit-V: Leadership & Motivation

Meaning and Concept; Importance of Leadership; Qualities of a Leader; Relationship & Differences Leadership and Motivation; Organizational Leadership; Leadership Ethics - Traits of an Ethical Leader; Leadership Styles - Important Leadership Styles- Situational Leadership – Emotional Intelligence of Leader; Which Leadership Style to Follow? Influence of Situational Leadership Styles on Subordinate Development; References:–

1. Office Management
By Ankita Bhatia
Dr. R. K. Chopra
2. Office Management
By Dr. P. Rizwan Ahmed
3. Office Management
By R S N Pillai

Economics

Generic Elective I: Indian Economy

Course Description: This paper introduces the students to the essentials of Indian economy with an intention of understanding the basic feature of the Indian economy and its planning process. It also aids in developing an insight into the agricultural and industrial development of India. The students will understand the problems and policies relating to the agricultural and industrial sectors of India and current challenges of Indian economy.

Module I: Introduction to Indian Economy

Colonialism & British Rule: Exploitation and under-development in India; Basic features of India Economy; Indian Economy as a developing economy; Demographic trends in India - Size and growth of population, Occupational structure, Sex composition, Age structure and demographic dividend; Causes of population growth and population policy

Module II: Indian Agriculture

Role of agriculture in Indian Economy; Cause of low productivity, Green Revolution and Land Reforms, Agricultural Finance-Sources and Problems; Agricultural Marketing in India

Module III: Industrial Development in India

Role of Industrialisation in Indian Economy; Small Scale & Cottage Industries: Meaning, Role, Problems and Remedies; Industrial Policies of 1948, 1956, 1977 and 1991; Problems of Industrial Development in India; Industrial Sickness

Module IV: Service Sector in India

Growth & Contribution to GDP; Composition and relative importance of service sector; Factors determining growth of the sector; ICT and IT – Spread and Policy; Sustainability of services led growth

Module V: Current Challenges facing Indian Economy

Unemployment – Meaning; important employment Generation programmes, MGNREGS; Inequality in income distribution-Causes thereof; Government policy to check its growth

Basic Readings:

1. Kapila U. *Indian economy since Independence*. Academic Foundation, New Delhi
2. Misra, S. K. and Puri V. K. *Indian Economy — Its Development Experience*. Himalaya Publishing House, Mumbai
3. Dutt R. and Sundharam K. P. M. *Indian Economy*. S. Chand & Company Ltd., New Delhi.
4. Agarawala, A. N. *Indian Economy*, New Age Publications, New Delhi

5. Panagariya, Arvind (2008): India: the Emerging Giant, Oxford University Press, New York
6. Acharya, S. and Mohan, R. (Eds.) (2010): India's Economy: Performance and Challenges, Oxford University Press, New Delhi.
7. Ahluwalia, I. J. and Little, I. M. D. (Eds.) (1998): India's Economic Reforms and Development: Essays for Manmohan Singh, Oxford University Press, New Delhi.

Generic Elective II: Indian Economy II

Course Description: This paper is the part II of Indian economy deals with the external sector, financial markets in India, Indian Public Finances and Economic Reforms. This paper also troughs some light on current challenges of Indian Economy.

Module I: External Sector in India

Trends, Composition & Direction in exports from and imports of India; Problems of Balance of Payment: Causes of deficit in BoP & measures to correct it; Trade Policy- Export Promotion Vs Import Substitution; Foreign Trade Policy of India; WTO and India

Module II: Financial Markets in India

Commercial Banking in India- Nationalisation of Banks; Lead bank scheme and branch expansion; RBI - Functions, Monetary Policy; Development Banking- IFCI, IDBI, SIDBI and NABARD

Module III: Indian Public Finance

Public Expenditure-Growth and Composition, Causes of Growth of Public Expenditure in India: Tax Revenue of Central and State Governments; Concept of VAT; Deficit Financing in India-Revenue, Budget, Fiscal and Primary Deficits; Purpose and Effects of Deficit Financing; India's Fiscal Policy-Objectives

Module IV: Economic Reforms, Globalisation in India, Foreign Capital and MNCs

Genesis of Reforms, Macroeconomic Stabilisation, Structural Reforms, Appraisal

Globalisation and its impact on the Indian Economy; Foreign Capital-Need, Components; MNCs – Reasons for Growth and Appraisal

Module V: Current Challenges Facing Indian Economy

Inflation – Causes, Consequences and Anti-inflationary Policy; Poverty – Poverty line and Estimates, Major Poverty Alleviation Programmes; Environmental Degradation – Growth and Environment; Population Growth and Environment; Environment Policy

Basic Readings:

1. Kapila U. *Indian economy since Independence*. Academic Foundation, New Delhi
2. Misra, S. K. and Puri V. K. *Indian Economy — Its Development Experience*. Himalaya Publishing House, Mumbai
3. Dutt R. and Sundharam K. P. M. *Indian Economy*. S. Chand & Company Ltd., New Delhi.
4. Agarawala, A. N. *Indian Economy*, New Age Publications, New Delhi

5. Panagariya, Arvind (2008): **India: the Emerging Giant**, Oxford University Press, New York
6. Acharya, S. and Mohan, R. (Eds.) (2010): **India's Economy: Performance and Challenges**, Oxford University Press, New Delhi.
7. Ahluwalia, I. J. and Little, I. M. D. (Eds.) (1998): **India's Economic Reforms and Development: Essays for Manmohan Singh**, Oxford University Press, New Delhi.

Education

Generic Elective I : VISION OF EDUCATION IN INDIA : ISSUES AND CONCERNS

INTRODUCTION

Education is essentially a normative endeavour, hence is intentional. It intends, rather deliberately, to socialize children into a value frame or normative structure. That is why history reveals that every education system, at different historical periods, had been guided by certain value concerns. In contemporary times, the education system in India derives its values from the Constitution of India. While socializing children education has to negotiate within the frame of Constitutional values. Indian Constitution envisioned a humane society based on freedom, equality and justice, and this led to evolving many institutions to realize the vision. In this regard, education has been considered as an agency of social transformation and classroom as the shaper of the envisioned destiny. Since teachers ought to play crucial role in realizing the vision, they are to be informed the Constitutional vision so as to develop normative perspectives regarding education and thereby emerging concerns and issues. This normative perspective a teacher holds in turn guides his/her actions and acquires a meaning to action.

Education being an operational area, every citizen perceives several issues related to it through personal experience. The student-teachers need to understand the main issues that touch their functioning as also situate themselves in context. Such an understanding on at least a few issues and concerns will equip student teachers to be ready for dealing with other issues and concerns in the field. This is very relevant as it may not be possible to bring under scrutiny all issues and concerns.

Since, concerns and issues cannot and should not be 'informed' like 'ready to cook facts', the course is designed in such a fashion that prospective teachers would be encouraged to come to terms with concerns and issues that would emerge out of their reasoned engagement with contemporary educational reality in the light of professed humanistic values,

Course Objectives

On completion of the course the students shall be able to:

- explain normative vision of Indian Society

- explain the view points of Indian thinkers on Education
- elaborate the contemporary issues like universalisation of school education, RTE act -2009 and Rastriya Madhyamika sikshya Abhiyan
- identify importance of common school system

Unit – 1 Normative vision of Indian Education

- Normative orientation of Indian Education: A historical enquiry.
- Constitutional provisions on education that reflect national ideas : Democracy, Equity, Liberty, Secularism and social justice
- India as an evolving nation state : Vision, nature and salient feature – Democratic and secular polity, federal structure : Implications for educational system .
- Aims and purposes of education drawn from the normative vision.

Unit – 2 Vision of Indian Education : Four Indian thinkers

- An overview of salient features of the “Philosophy and Practice” of education advocated by these thinkers.
 - Rabindranath Tagore : Liberationist pedagogy
 - M.K. Gandhi : Basic Education
 - Jiddu Krishnamurty : Education for Individual and social Transformation
 - Sir Aurobindo : integral Education

Unit – 3 Concern for Equality in Education: Concerns and Issues

- Universalisation of school education
 - (i) Issues of
 - (a) Universal enrollment
 - (b) Universal Retention
 - (c) Universal success
 - (ii) Issues of quality and equity

Unit – 4 Concern for Equality in Education

- Equality of Educational opportunity
- Prevailing nature and forms of inequality including Dominant and Minor groups and the related issues.

- Inequality in schooling : Public-private schools, Rural-urban schools, single teachers schools and many other forms of inequalities in school systems and the process leading to disparity.
- Idea of common school system

Unit – 5 Education and Development – an interface

- Education for National Development : Education Commission (1964-66)
- Emerging trends in the interface between:
 - Political process and education
 - Economic Development and Education
 - Social cultural – changes in Education

References

- Agrawal, J.C. & Agrawal S.P. (1992). Role of UNESCO in Educational, Vikas Publishing House, Delhi.
- Anand, C.L et.al. (1983). Teacher and Education in Emerging in indian Society, NCERT, New Delhi.
- Govt, of India (1986). National Policy on Education, Min. of HRD, New Delhi.
- Govt, of India (1992). Programme of Action (NPE). Min of HRD,
- Mani, R.S. (1964). Educational Ideas and Ideals of Gandhi and Tagore, New Book Society, New Delhi.
- Manoj Das (1999). Sri Aurobindo on Education, National Council for Teacher Education, New Delhi.
- Mistry, S.P. (1986). Non-formal Education-An Approach to Education for All, Publication, New Delhi.
- Mohanty, J., (1986). School Education in Emerging Society, sterling Publishers.
- Mukherji, S.M., (1966). History of Education in India, Acharya Book Depot, Baroda.
- Naik, J.P. & Syed, N., (1974). A Student's History of Education in India, MacMillan, New Delhi.
- NCERT (1986). School Education in India - Present Status and Future Needs, New Delhi.

- Ozial, A.O. 'Hand Book of School Administration and Management', London, Macmillan.
- Radha Kumud Mookerji. Ancient Indian Education (Brahmanical and Buddhist), Cosmo Publications, New Delhi -1999.
- Sainath P. (1996). Every body loves a good drought. Penguin Books New Delhi.
- Salamatullah, (1979). Education in Social context, NCERT, New Delhi.
- Sykes, Marjorie (1988): The Story of Nai Talim, Naitalim Samiti: Wardha.
- UNESCO; (1997). Learning the Treasure Within.
- Dr. Vada Mitra. Education in Ancient India, Arya book Depot, New Delhi -1967
- Ministry of Education. '*Education Commission "Kothari Commission"*'. 1964-1966. Education and National Development. Ministry of Education, Government of India 1966.
- *Learning without Burden*, Report of the National Advisory Committee. Education Act. Ministry of HRD, Department of Education, October, 2004.
- *National Policy on Education*. 1986. Ministry of HRD, Department of Education, New Delhi.
- Seventh All India School Education Survey, NCERT: New Delhi. 2002
- UNDP. *Human Development Reports*. New Delhi. Oxford: Oxford University Press.
- UNESCO. (2004) *Education for All: The Quality Imperative*. EFA Global Monitoring Report. Paris.
- Varghese, N.V. (1995). *School Effects on Achievement: A Study of Government and Private Aided Schools in Kerala*. In Kuldip Kumar (Ed.) School effectiveness and learning achievement at primary stage: International perspectives. NCERT. New Delhi.
- World Bank, (2004). *Reaching The Child: An Integrated Approach to Child Development*. Oxford University Press, Delhi.

GE-1 Practical

Term paper

Each student is required to prepare a term paper on the educational ideas of any Indian Thinkers or on any contemporary issues on Education.

GENERIC ELECTIVE II: ASSESSMENT AND EVALUATION TECHNIQUES

INTRODUCTION

Assessment is considered to be one of the most crucial aspects of any teaching learning process, as it helps the teacher to record the growth of their students, planning for instructional strategy and most importantly helps to assess their own growth over the years. An effective method of assessment in the classroom helps to create conducive learning environment and a teacher must have to know different techniques of assessment which may improve students' learning. The key issues that involve in assessment are how to assess, when to assess, and what will be its implication on students learning. The paper outlines the above mentioned questions and different issues that involves in assessment.

Course Objectives

After completion of the course the students shall be able to:

- describe the role of assessment in education.
- differentiate measurement, assessment and evaluation.
- establish the relationship among measurement, assessment and evaluation.
- explain different forms of assessment that aid student learning.
- use wide range of assessment tools and techniques and construct these appropriately.
- classify educational objectives in terms of specific behavioral form
- prepare a good achievement test on any school subject

Unit – 1 The Measurement, Evaluation and Assessment Process

- Educational Testing and Assessment : Context, Issues and Trends.
- The Role of Measurement, Evaluation and Assessment in Teaching.
- Instructional Goals and objectives : Foundation for Assessment.
- Types of Assessment: Placement, Formative, Diagnostic and Summative.

Unit – 2 Classroom tests and Assessment

- Planning classroom tests and assessment
- Constructing objective test items: simple forms and multiple choice forms.
- Constructing Essay type questions: Form and uses; suggestions for scoring essay questions.

Unit – 3 Alternative Techniques of Assessment

- Observational Technique: Observation schedule, Anecdotal Records, Rating scales, Checklists
- Self – reporting Techniques: Interview, portfolio, questionnaire and inventories.
- Peer – appraisal: “Guess who” technique, sociometric technique.

Unit – 4 Processing and Reporting in Assessment

- Processing qualitative evaluation data: Content Analysis
- Considerations for reporting the performance
- Scheme of reporting: criterion – reformed and non reformed interpretation.
- Combining mark or grades over different subjects and reporting results of assessment to different users.

Unit – 5 Contemporary Trends in Assessment

- Marks vs Grading system
- Credit system
- Concept of Continuous and Comprehensive Evaluation (CCE)
- Computers in student evaluation

REFERENCES

- Aggrawal, J.C. (1997). Essentials of Examination System, Evaluation, Tests and Measurement. New Delhi: Vikas Publishing House Pvt Ltd.
- Banks, S.R. (2005). Classroom Assessment: Issues and Practices. Boston: Allyn & Bacon.
- Blooms, B.S.(1956). Taxonomy of Educational Objectives. New York: Longman Green and Company

- Cooper, D. (2007). Talk About Assessment, Strategy and Tools to Improve Learning. Toronto: Thomson Nelson
- Earl, L.M. (2006). Assessment as Learning: Using Classroom Assessment to Maximize Student Learning. Thousand Oaks, California: Corwin Press
- Gronlund, N.E. (2003). Assessment of student Achievement. Boston: Allyn & Bacon.
- Kaplan, R.M. & Saccuzzo. D.P. (2000). Psychological Testing, Principles, Applications & Issues. California: Wordsworth.
- Linn, R.L. & Gronlund, N.E. (2000). Measurement and Assessment in Teaching London: Merrill Prentice Hall.

GE-2 Practical

Achievement Test Construction

Each student is required to construct 50 objective based objective type test items along with a blue print.

History

GENERIC ELECTIVE I: HISTORY AND CULTURE OF ODISHA

Unit-I: Socio-political life of Early and Medieval Odisha:

- [1] Kalinga War (261 B.C.) and its significance
- [2] Mahameghavahan Kharavela: His times and achievements
- [3] The Bhauma Karas and The Somavamsis
- [4] The Gangas and The Suryavamsis

Unit-II: Religion, Art and Literature of Early and Medieval Odisha:

- [1] Buddhism, Jainism and Sanatana Dharma in Odisha.
- [2] Development of Art and Architecture: Buddhist Art, Temples and Jaina Sculptures
- [3] Evolution and Growth of Odia Language and Literature: Sarala Mohabharata
- [4] Panchasakhas, Sri Chaitanya and Bhakti Movement in Odisha

Unit-III: Political and Economic structure in Medieval Odisha:

- [1] Mughal Administration
- [2] Maratha Administration
- [3] Impact on Odisha's Socio-Economic Condition

Unit-IV: Colonialism in Odisha:

- [1] The Early British Administration: Its Socio-economic impact
- [2] The Odia Identity Movement
- [3] Freedom Struggle in Odisha

Unit-V: Socio-cultural Changes in Modern Odisha:

- [1] Development of Modern Education
- [2] Social Reform Movements in Odisha
- [3] Modern Odia Literature: Radhanath Roy, Phakir Mohan Senapati and Gangadhar Meher

Reading List:

- A. Easchman et al (eds) The Cult of Jagannath and Regional Tradition of Orissa, Manohar, New Delhi, 1978.
- A. K. Mishra, Intellectual Tradition of Orissa, Bhubaneswar, 2006.
- , The Raj, Nationalists and Reforms, Bhubaneswar, 2007.
- , Indian Culture, Science and Technology (with special emphasis on Odisha), 2011.
- B.C. Ray, Orissa under the Mughals
- , Orissa under the Marahatas
- , Foundation of British Orissa
- B.K. Mallik, Medieval Orissa: Literature, Society, Economy, Bhubaneswar, 1996
- , Paradigms of Dissent and Protest: Social Movements in Eastern India (1400-1700 AD Manahar, New Delhi, 2004.
- J. Dora, Sakta Monuments of Orissa, A Study of Art, Architecture and Iconography, New Delhi, 2010.
- K.C. Mishra, The Cult Jagannath.

M.N. Das (ed) Sidelights on History and Culture of Orissa, Vidyapuri
M. A. Haq, Muslim Administration in Orissa
A.C. Pradhan, A Study of History of Orissa, Bhubaneswar, Panchsheel
K.C. Panigrahi, History of Orissa, Cuttack, Kitab Mahal, First edition, 1981
Chittaranjan Das, A Glimpse into Oriya Literature, Orissa Sahitya Akademi, Bhubaneswar, 1962
K.B. Tripathi, The Evolution of Oriya Language and Script, Utkal University, Bhubaneswar
K.C. Panigrahi, Sarala Dasa, Sahitya Akademi, New Delhi, 1975
Khageswar Mahapatra, (ed), Charyagitika

GENERIC ELECTIVE II: FREEDOM MOVEMENT IN INDIA

Unit-I: Growth of National Consciousness in 19th century:

- [1] Socio-Economic impact of British Rule
- [2] Role of Press and Journalism
- [3] Formation of Political associations prior to 1885

Unit-II: Nationalism: Trends up to 1919:

- [1] Formation of Indian National Congress: Its ideology and Performance
- [2] Moderates and Extremists
- [3] Swadeshi Movement and its impact

Unit-III: Gandhian nationalism after 1919: Ideas and Movements:

- [1] Mahatma Gandhi: Perspectives and Methods
- [2] Non- Cooperation, Civil Disobedience, Quit India Movements
- [3] Indian National Army (INA) and Subash Chandra Bose

Unit-IV: Communalism and Partition:

- [1] Ideologies and practices: Hindu Mahasabha, Muslim League
- [2] Partition and Independence

Unit-V: Emergence of a New Nation:

- [1] Making of the Constitution
- [2] Integration of Princely States
- [3] Land Reforms and beginnings of Planning

Reading List:

Judith Brown, Gandhi's rise to Power, 1915-22.
Paul Brass, The Politics of India Since Independence, OUP, 1990.
Bipan Chandra, Nationalism and Colonialism in Modern India, 1979.
Bipan Chandra, Rise and Growth of Economic Nationalism in India.
Mohandas K. Gandhi, An Autobiography or The Story of My Experiments with Truth.
Ranajit Guha, ed., A Subaltern Studies Reader.
Peter Hardy, Muslims of British India.
Mushirul Hasan, ed., India's Partition, Oxford in India Readings.
D.A. Low, ed., Congress and the Raj.
John R. McLane, Indian Nationalism and the Early Congress.
Jawaharlal Nehru, An Autobiography.
Gyanendra Pandey, The Construction of Communalism in colonial north India.
Sumit Sarkar, Modern India, 1885-1947.
Anil Seal, Emergence of Indian Nationalism.
Ram Lakhan Shukla (ed.), Adhunik Bharat ka Itihas.
Eleanor Zelliot, From Untouchable to Dalit: Essays on the Ambedkar Movement.
Judith Brown, Gandhi: (et al) A Prisoner of Hope.
Bipan Chandra, Communalism in Modern India, 2nd ed., 1987.
Bipan Chandra, K.N. Panikkar, Mridula Mukherjee, Sucheta Mahajan and Aditya Mukherjee, India's, Struggles for Independence.
A.R. Desai, Social Background of Indian Nationalism.

A.R. Desai, Peasant Struggles in India.
Francine Frankel, India's Political Economy, 1947-77.
Ranajit Guha, and G.C. Spivak, eds. Select Subaltern Studies.
Charles Heimsath, Indian Nationalism and Hindu Social Reform.
F. Hutchins, Illusion of Permanence.
F. Hutchins, Spontaneous Revolution.
V.C. Joshi (ed.), Rammohan Roy and the process of Modernization
in India.
J.Krishnamurti, Women in Colonial India

Odia

ଆନ୍ତଃସମସ୍ତମୂଳକ ଲକ୍ଷ୍ୟଧାର ପାଠ – ଓଡ଼ିଆ

Generic Electives (GE) - Course

ସୂଚନା :

୧. ପଢ଼ାବର୍ଷ – ୨ / ୨ ଗୋଟି ପାଠ୍ୟ ଦିଆଯିବ – ୨ ଟି ଯାକ ପାଠ୍ୟ ବାଧ୍ୟତାମୂଳକ ।
୨. ପ୍ରତ୍ୟେକ ପଢ଼ା – ୧୦୦ ନମ୍ବର ବିଶିଷ୍ଟ / ମୋଟ – ୨୦୦
୩. ପ୍ରତ୍ୟେକ ପଢ଼ାରେ ୫ ଗୋଟି ଏକକ ରହିବ ।
୪. ପ୍ରାଶ୍ନାବଳି ପର୍ଯ୍ୟାୟ ୧, ୨ (ସେମିଷ୍ଟର ୧-୨) ରେ (୧ମ ପଢ଼ା) ଏବଂ ପ୍ରାଶ୍ନାବଳି ପର୍ଯ୍ୟାୟ (ସେମିଷ୍ଟର ୩-୪) ରେ (୨ୟ ପଢ଼ା) ଭାବେ ଓଡ଼ିଆ ବିଷୟ ନିଆଯାଇପାରେ ।
 - ପ୍ରାଶ୍ନାବଳି ପର୍ଯ୍ୟାୟ – ୧ (Sem – I) ପ୍ରଥମ ପଢ଼ା / ପାଠ୍ୟ – ୧
 - ପ୍ରାଶ୍ନାବଳି ପର୍ଯ୍ୟାୟ – ୨ (Sem – II) ପ୍ରଥମ ପଢ଼ା / ପାଠ୍ୟ – ୧
 - ପ୍ରାଶ୍ନାବଳି ପର୍ଯ୍ୟାୟ – ୩ (Sem – III) ଦ୍ୱିତୀୟ ପଢ଼ା / ପାଠ୍ୟ – ୨
 - ପ୍ରାଶ୍ନାବଳି ପର୍ଯ୍ୟାୟ – ୪ (Sem – IV) ଦ୍ୱିତୀୟ ପଢ଼ା / ପାଠ୍ୟ – ୨

ନମ୍ବର ବିଭାଜନ ବିଧି :

- କ) ପ୍ରତ୍ୟେକ ପଢ଼ାର ମୋଟ ନମ୍ବର – ୧୦୦
- ଖ) ଆନ୍ତଃପରୀକ୍ଷା – ୨୦ / ମୁଖ୍ୟ ପରୀକ୍ଷା – ୮୦
- ଗ) ମୁଖ୍ୟ ପରୀକ୍ଷାରେ ପ୍ରତ୍ୟେକ ଏକକରୁ ଦୁଇଟି ଲେଖାଏଁ ୧୨ ନମ୍ବର ବିଶିଷ୍ଟ ପସନ୍ଦମୂଳକ ବୋଧଜ୍ଞାନ ମାପକ ୧୦ଟି ଦୀର୍ଘ ପ୍ରଶ୍ନ ପଡ଼ିବ । ୧୦ଟି ଦୀର୍ଘ ପ୍ରଶ୍ନରୁ ୫ଟିର ଉତ୍ତର ଦେବାକୁ ହେବ ।
(୫×୧୨ = ୬୦)
- ଘ) ପ୍ରତ୍ୟେକ ଏକକରୁ ୨ ନମ୍ବର ବିଶିଷ୍ଟ ଲକ୍ଷ୍ୟଜ୍ଞାନମୂଳକ ୧୫ଟି ସଂକ୍ଷିପ୍ତ ପ୍ରଶ୍ନ ପଡ଼ିବ । ମୋଟ ୧୫ ଗୋଟି ପ୍ରଶ୍ନରୁ ୧୦ ଗୋଟି ପ୍ରଶ୍ନର ଉତ୍ତର ଦେବାକୁ ହେବ ।
(୨×୧୦ = ୨୦)

ସବିଶେଷ ପାଠ୍ୟକ୍ରମ

ପ୍ରଥମ ପର୍ଯ୍ୟାୟ (Semester – I) ଓ ଦ୍ୱିତୀୟ ପର୍ଯ୍ୟାୟ (Semester – II)

- ପାଠ୍ୟ – ୧ / ପଢ଼ା – ୧ (Core Course - 1) : ବେତାର କଳା, ସର୍ଜନଶୀଳ କଳା ଓ ବିଜ୍ଞାପନ କଳା
- ୧ମ ଏକକ : ଗଣମାଧ୍ୟମ ଓ ତା'ର ପ୍ରକାରଭେଦ
- ୨ୟ ଏକକ : ଓଡ଼ିଶାର ବେତାର କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ
- ୩ୟ ଏକକ : ସର୍ଜନଶୀଳତାର ସଂଜ୍ଞା, ସ୍ୱରୂପ ଓ ଲକ୍ଷଣ
- ୪ର୍ଥ ଏକକ : ବିଜ୍ଞାପନର ପରିଭାଷା, ପରିସର ଓ ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟ

୫ମ ଏକକ : ବିଜ୍ଞାପନର ପ୍ରସ୍ତୁତି ଓ ଉପଯୋଗିତା

ଏଥିରେ ପ୍ରଥମ ଓ ଦ୍ୱିତୀୟ ପର୍ଯ୍ୟାୟ (Semester-I & II)ରେ ଥିବା ଓଡ଼ିଆ ବିଷୟରେ ‘ବେତାର କଳା, ସର୍ଜନଶୀଳ କଳା ଓ ବିଜ୍ଞାପନ କଳା’ ପାଠ୍ୟ ପଢ଼ାଯିବ । ନିର୍ଦ୍ଧାରିତ ପାଠ୍ୟ (୫ଗୋଟି ଏକକ) ରୁ ପ୍ରତ୍ୟେକଟିରୁ ୨ଟି ଲେଖାଏଁ ମୋଟ ୧୦ଟି ୧୨ ନମ୍ବର ବିଶିଷ୍ଟ ଦୀର୍ଘ ପ୍ରଶ୍ନ ଆସିବ । ସେଥିରୁ ୫ଟି ପ୍ରଶ୍ନର ଉତ୍ତର ଦେବାକୁ ହେବ । ସେହିପରି ୫ଟି ଏକକରୁ ୧୫ଟି ୨ ନମ୍ବର ବିଶିଷ୍ଟ ଅତି ସଂକ୍ଷିପ୍ତ ପ୍ରଶ୍ନ ଆସିବ । ସେଥିରୁ ଯେକୌଣସି ୧୦ ଗୋଟିକର ଉତ୍ତର ଦେବାକୁ ହେବ ।

ବି.ଦ୍ର : ପ୍ରଥମ ଓ ଦ୍ୱିତୀୟ ପର୍ଯ୍ୟାୟ (1st & IInd Semester) ପରୀକ୍ଷାରେ ଆନ୍ତଃ ସମଷ୍ଟିମୂଳକ (G.E) ଲକ୍ଷ୍ୟାଧୀନ ପାଠ (ଓଡ଼ିଆ) ଭାବେ ଉକ୍ତ ପାଠ୍ୟ ପଢ଼ାଯିବ । G.E (1st Paper) ଓଡ଼ିଆ ଭାବେ ଉଭୟ ପ୍ରଥମ ଓ ଦ୍ୱିତୀୟ ପର୍ଯ୍ୟାୟର ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନେ ସମାନ ପାଠ୍ୟ ପଢ଼ିବେ ।

ତୃତୀୟ ପର୍ଯ୍ୟାୟ (Semester – III) / ଚତୁର୍ଥ ପର୍ଯ୍ୟାୟ (Semester – IV)

ପାଠ୍ୟ – ୨ / ପତ୍ର – ୨ (Core Course - 2) : ଓଡ଼ିଆ ଭାଷାର ବିବିଧତା

୧ମ ଏକକ – ୟୁନିଟ୍-୧) ଓଡ଼ିଆ ଭାଷାର ପରିଚୟ

(ମାନକ ଭାଷା, କଥିତ ଭାଷା ଓ ଆଞ୍ଚଳିକ ଭାଷା)

୨ୟ ଏକକ – ୟୁନିଟ୍-୨) ଓଡ଼ିଆ ଭାଷାର ମୂଳ ଉତ୍ସ ନିରୂପଣ

(ସଂସ୍କୃତ, ପାଲି, ପ୍ରାକୃତ ଓ ଅପଭ୍ରଂଶ)

୩ୟ ଏକକ – ୟୁନିଟ୍-୩) ଓଡ଼ିଆ ଭାଷା ଉପରେ ବୈଦେଶିକ ଭାଷାର ପ୍ରଭାବ

(ହାବିଡ଼, ଅଷ୍ଟ୍ରିକ୍, ଯାବନିକ ଏବଂ ଇଂରାଜୀ)

୪ର୍ଥ ଏକକ – ୟୁନିଟ୍-୪) ଓଡ଼ିଆ ଶବ୍ଦ ଭଣ୍ଡାରର ପରିଚୟ

(ତତ୍ସମ, ତତ୍ତ୍ୱ, ଦେଶଜ ଓ ବୈଦେଶିକ)

୫ମ ଏକକ – ୟୁନିଟ୍-୫) ଭାଷା ସାହିତ୍ୟ ଅଧ୍ୟୟନ

(କ) ଗ୍ରାମ୍ୟ କୈହିକ ଉପନ୍ୟାସ-ମାଟିର ମଣିଷ-କାଳିନ୍ଦୀ ଚରଣ ପାଣିଗ୍ରାହୀ

(ଖ) ଗ୍ରାମ୍ୟ କୈହିକ ଗଳ୍ପ – ମାଗୁଣିର ଶଗଡ଼-ଗୋଦାବରୀଶ ମହାପାତ୍ର

ଆକାଶ ଦୀପ – ରବୀନ୍ଦ୍ର ନାରାୟଣ ମିଶ୍ର

ନମ୍ବର ବିଭାଜନ ବିଧି

କ) ମୋଟ ନମ୍ବର – ୧୦୦

ଖ) ଆନ୍ତଃ ପରୀକ୍ଷା – ୨୦/ମୁଖ୍ୟ ପରୀକ୍ଷା – ୮୦

ଗ) ମୁଖ୍ୟ ପରୀକ୍ଷାରେ ପ୍ରତ୍ୟେକ ଏକକରୁ ୨ଟି ଲେଖାଏଁ ୧୨ ନମ୍ବର ବିଶିଷ୍ଟ ପସନ୍ଦମୂଳକ ବୋଧାଜ୍ଞାନ ମାପକ ୧୦ଟି ଦୀର୍ଘ ପ୍ରଶ୍ନ ପଡ଼ିବ । ୧୦ଟି ଦୀର୍ଘ ପ୍ରଶ୍ନରୁ ୫ଟିର ଉତ୍ତର ଦେବାକୁ ହେବ ।

(୧୨ x ୫ = ୬୦)

ଘ) ପ୍ରତ୍ୟେକ ଏକକରୁ ୨ ନମ୍ବର ବିଶିଷ୍ଟ ୧୫ଟି ସଂକ୍ଷିପ୍ତ ପ୍ରଶ୍ନ ପଡ଼ିବ । ମୋଟ ୧୫ଟି ପ୍ରଶ୍ନରୁ ୧୦ଟି ପ୍ରଶ୍ନର ଉତ୍ତର ଦେବାକୁ ହେବ ।

(୧୦ x ୨ = ୨୦)

ବି.ଦ୍ର : ତୃତୀୟ ଓ ଚତୁର୍ଥ ପର୍ଯ୍ୟାୟ (IIIrd & IVth Semester) ପରୀକ୍ଷାରେ ଆନ୍ତଃ ସମ୍ପର୍କମୂଳକ (G.E) ଲକ୍ଷ୍ୟାଧୀନ ପାଠ ଓଡ଼ିଆ ଭାବେ ଉଚ୍ଚ ପାଠ୍ୟ ପଢ଼ାଯିବ । GE (2nd Paper) ଓଡ଼ିଆ ଭାବେ ଉଭୟ ତୃତୀୟ ଓ ଚତୁର୍ଥ ପର୍ଯ୍ୟାୟର ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନେ ସମାନ ପାଠ୍ୟ ପଢ଼ିବେ ।

ସହାୟକ ଗ୍ରନ୍ଥସୂଚୀ

୧. ପ୍ରାୟୋଗିକ ଭାଷା ବିଜ୍ଞାନର ଦିଗବିଦିଗ : ପଟ୍ଟନାୟକ, କେ.ବି., ଓଡ଼ିଆ ପାଠ୍ୟପୁସ୍ତକ ପ୍ରଣୟନ ଓ ପ୍ରକାଶନ ସଂସ୍ଥା, ଭୁବନେଶ୍ୱର
୨. ସଂଯୋଗ ଅନୁବିଧି : ତ୍ରିପାଠୀ, ସନ୍ତୋଷ, ନାଲନ୍ଦା, କଟକ
୩. କବିତାର ମାନଚିତ୍ର : ମହାନ୍ତି, ଜାନକୀ ବଲ୍ଲଭ, ଫ୍ରେଣ୍ଡ୍‌ସ୍ ପବ୍ଲିଶର୍ସ, କଟକ
୪. ଓଡ଼ିଆ ଭାଷା ବିଭବ : ମହାପାତ୍ର, ବିଜୟ ପ୍ରସାଦ, ବିଦ୍ୟାପୁରୀ, କଟକ
୫. ବୃତ୍ତି ଏବଂ ମୋ ପୋଷେ କୁରୁମ୍ : ମହାନ୍ତି, ପଞ୍ଚାନନ, ଭୁବନେଶ୍ୱର
୬. ପ୍ରାଚୀନ ପୋଥି ଶୁଦ୍ଧ ସଂପାଦନା ପଦ୍ଧତି ଓ ଅନୁବାଦ କୌଶଳ - ପଟ୍ଟନାୟକ, ଆଶୁତୋଷ, ଭୁବନେଶ୍ୱର
୭. ମଞ୍ଚ ଓ ନାଟକର କଳାକୌଶଳ - ସାହୁ, ନାରାୟଣ, ଓଡ଼ିଶା ରାଜ୍ୟ ପାଠ୍ୟପୁସ୍ତକ ଓ ପ୍ରକାଶନ ସଂସ୍ଥା
୮. ଶବ୍ଦର ଆକାଶ ଦୃଶ୍ୟର ଦିଗ୍‌ବଳୟ - ଶତପଥୀ, ରବି, କଟକ
୯. ଓଡ଼ିଆ ସାହିତ୍ୟକୁ ଆକାଶବାଣୀର ଅବଦାନ - ମହାନ୍ତି, ବ୍ରଜମୋହନ, ଓଡ଼ିଶା ବୁକ୍ ଷ୍ଟୋର, କଟକ
୧୦. ସମ୍ବାଦପତ୍ର ଓ ଗଣମାଧ୍ୟମ : ଗୁରାଙ୍ଗୀ, ମୃଣାଳ, ଟେପାଲି କମ୍ୟୁନିକେସନ, ସଞ୍ଚାରମାର୍ଗ, ଦେଞ୍ଜାନାଳ
୧୧. ଓଡ଼ିଆ ଶବ୍ଦ ବ୍ୟୁତ୍ପତ୍ତି ବିଜ୍ଞାନ : ସାହୁ, ବାସୁଦେବ, ଗ୍ରନ୍ଥମନ୍ଦିର, କଟକ
୧୨. ସର୍ବସାର ବ୍ୟାକରଣ : ମହାପାତ୍ର, ନାରାୟଣ ଓ ଦାସ, ଶ୍ରୀଧର, ନିଉ ଷ୍ଟୁଡେଣ୍ଟ୍ସ ବୁକ୍ ଷ୍ଟୋର, କଟକ
୧୩. ଓଡ଼ିଶାରେ ସମ୍ବାଦପତ୍ରର ଇତିହାସ : ଗୁରାଙ୍ଗୀ, ମୃଣାଳ, ଟେପାଲି କମ୍ୟୁନିକେସନ, ସଞ୍ଚାରମାର୍ଗ, ଦେଞ୍ଜାନାଳ
୧୪. ମୁଁ କହିଲି ଲେଖଣୀ : ସଂକଳନ - ସିଂହ, ବିଜୟାନନ୍ଦ, ଫ୍ରେଣ୍ଡ୍‌ସ୍ ପବ୍ଲିଶର୍ସ, କଟକ
୧୫. ଓଡ଼ିଆ ଭାଷାର ଉନ୍ନେଷ ଓ ବିକାଶ - ସାହୁ, ବାସୁଦେବ, ଫ୍ରେଣ୍ଡ୍‌ସ୍ ପବ୍ଲିଶର୍ସ, କଟକ
୧୬. ଭାଷା ବିଜ୍ଞାନର ରୂପରେଖ - ସାହୁ, ବାସୁଦେବ, ଫ୍ରେଣ୍ଡ୍‌ସ୍ ପବ୍ଲିଶର୍ସ, କଟକ

English

GENERIC ELECTIVE I: ACADEMIC WRITING AND COMPOSITION

This is a generic academic preparatory course designed to develop the students' writing skills from basic to academic and research purposes. The aim of this course is to prepare students to succeed in complex academic tasks in writing along with an improvement in vocabulary and syntax.

Unit 1 Instruments of writing I

- Vocabulary development: synonyms and antonyms; words used as different parts of speech; vocabulary typical to 'science' and 'commerce'
- Collocation; effective use of vocabulary in context

Unit 2 Instruments of writing II

- Syntax: word order; subject-predicate; subject-verb agreement; simple, complex, compound, compound-complex sentences; structure and uses of active and passive sentences
- Common errors in Indian writing

Unit 3 Academic writing I

- What is academic writing?
- The formal academic writing process: the 'what' and the 'how' of writing; use of cohesive and transitional devices in short and extended pieces of writing

Unit 4 Academic writing II

- Paragraph writing: topic sentence, appropriate paragraph development ; expository, descriptive, narrative and argumentative paragraphs
- Extended pieces of writing: process development using comparison-contrast, cause and effect, argumentation, and persuasion

Unit 5 Project writing: (writing projects)

- What's a Project: reading-based, field work-based project : how to pick a topic for the project; background reading

- Structure of a Project: Title, aim of the project (a short statement), other objectives if any, significance of the Project : why is the project being undertaken, sources/books to be consulted for the study, method: Is it quantitative (field work) or qualitative (text-related), analysis/interpretation, findings, conclusion

Texts prescribed

1. K Samantray, *Academic and Research Writing: A Course for Undergraduates*, Orient BlackSwan
2. Leo Jones (1998) *Cambridge Advanced English: Student's Book* New Delhi: CUP
3. Stanley Fish (2011) *How to Write a Sentence*

GENERIC ELECTIVE II: WRITING FOR THE ELECTRONIC MEDIA

This paper is designed to equip students with writing skills needed for the digital medium.

Unit 1

- Similarities and differences between writing for the print media and writing for the electronic media
- New Media—definition, function

Unit 2

Copywriting; writing for commercials

Unit 3

Writing for the web: e-mail and blogging

Unit 4

Website content writing

Unit 5

Online Journalism

Suggested Reading:

- *Electronic Literature: New Horizons for the Literary* by N. Katherine Hayles
- *Releasing the Image: From Literature to New Media* by Jacques Khalip & Robert Mitchell

Political Science

GENERIC ELECTIVE I: FEMINISM: THEORY AND PRACTICE

Course Objective: The aim of the course is to explain contemporary debates on feminism and the history of feminist struggles. The course begins with a discussion on construction of gender and an understanding of complexity of patriarchy and goes on to analyze theoretical debates within feminism. Part II of the paper covers history of feminism in the west, socialist societies and in anti-colonial struggles. Part III focuses a gendered analysis of Indian society, economy and polity with a view to understanding the structures of gender inequalities. And the last section aims to understand the issues with which contemporary Indian women's movements are engaged with.

I. Approaches to understanding Patriarchy (22 Lectures)

- Feminist theorising of the sex/gender distinction. Biologism versus social constructivism
 - Understanding Patriarchy and Feminism
 - Liberal, Socialist, Marxist, Radical feminism, New Feminist Schools/Traditions

II. History of Feminism (22 Lectures)

- Origins of Feminism in the West: France, Britain and United States of America
- Feminism in the Socialist Countries: China, Cuba and erstwhile USSR
- Feminist issues and women's participation in anti-colonial and national liberation movements with special focus on India

III. The Indian Experience (16 Lectures)

- Traditional Historiography and Feminist critiques. Social Reforms Movement and position of women in India. History of Women's struggle in India
- Family in contemporary India - patrilineal and matrilineal practices. Gender Relations in the Family, Patterns of Consumption: Intra Household Divisions, entitlements and bargaining, Property Rights
- Understanding Woman's Work and Labour – Sexual Division of Labour, Productive and Reproductive labour, Visible - invisible work – Unpaid (reproductive and care), Underpaid and Paid work,- Methods of computing women's work , Female headed households

Essential Readings

I. Approaches to understanding Patriarchy

Geetha, V. (2002) *Gender*. Calcutta: Stree.

Geetha, V. (2007) *Patriarchy*. Calcutta: Stree.

Jagger, Alison. (1983) *Feminist Politics and Human Nature*. U.K.: Harvester Press, pp. 25-350.

Supplementary Readings:

Ray, Suranjita. *Understanding Patriarchy*. Available at:

http://www.du.ac.in/fileadmin/DU/Academics/course_material/hrge_06.pdf

Lerner, Gerda. (1986) *The Creation of Patriarchy*. New York: Oxford University Press.

II. History of Feminism

Rowbotham, Shiela. (1993) *Women in Movements*. New York and London: Routledge, Section I, pp. 27-74 and 178-218.

Jayawardene, Kumari. (1986) *Feminism and Nationalism in the Third World*. London: Zed Books, pp. 1-24, 71-108, and Conclusion.

Forbes, Geraldine (1998) *Women in Modern India*. Cambridge: Cambridge University Press, pp. 1-150.

Supplementary Readings:

Eisentein, Zillah. (1979) *Capitalist Patriarchy and the Case for Socialist Feminism*. New York: Monthly Review Press, pp. 271-353.

Funk, Nanette & Mueller, Magda. (1993) *Gender, Politics and Post-Communism*. New York and London: Routledge, Introduction and Chapter 28.

Chaudhuri, Maiyatree. (2003) 'Gender in the Making of the Indian Nation State', in Rege, Sharmila. (ed.) *The Sociology of Gender: The Challenge of Feminist Sociological Knowledge*. New Delhi: Sage.

Banarjee, Sikata. (2007) 'Gender and Nationalism: The Masculinisation of Hinduism and Female Political Participation', in Ghadially, Rehana. (ed.) *Urban Women in Contemporary India: A Reader*. New Delhi: Sage.

III. Feminist Perspectives on Indian Politics

Roy, Kumkum. (1995) 'Where Women are Worshipped, There Gods Rejoice: The Mirage of the Ancestress of the Hindu Women', in Sarkar, Tanika & Butalia, Urvashi. (eds.) *Women and the Hindu Right*. Delhi: Kali for Women, pp. 10-28.

Chakravarti, Uma. (1988) 'Beyond the Altekarian Paradigm: Towards a New Understanding of Gender Relations in Early Indian History', *Social Scientist*, Volume 16, No. 8.

Banerjee, Nirmala. (1999) 'Analysing Women's work under Patriarchy' in Sangari, Kumkum & Chakravarty, Uma. (eds.) *From Myths to Markets: Essays on Gender*. Delhi: Manohar.

Additional Readings

Gandhi, Nandita & Shah, Nandita. (1991) *The Issues at Stake – Theory and Practice in Contemporary Women's Movement in India*. Delhi: Zubaan, pp. 7-72.

Shinde, Tarabai (1993) 'Stri-Purush Tulna', in Tharu, Susie & Lalita, K. (eds.) *Women Writing in India, 600 BC to the Present. Vol. I*. New York: Feminist Press.

Desai, Neera & Thakkar, Usha. (2001) *Women in Indian Society*. New Delhi: National Book Trust.

GENERIC ELECTIVE II: GOVERNANCE: ISSUES AND CHALLENGES

Objectives: This paper deals with concepts and different dimensions of governance highlighting the major debates in the contemporary times. There is a need to understand the importance of the concept of governance in the context of a globalising world, environment, administration, development. The essence of governance is explored through the various good governance initiatives introduced in India.

1. GOVERNMENT AND GOVERNANCE: CONCEPTS [12 lectures]

Role of State In The Era Of Globalisation State,
Market and Civil Society

2. GOVERNANCE AND DEVELOPMENT [12 lectures]

Changing Dimensions of Development Strengthening Democracy through Good
Governance

3. ENVIRONMENTAL GOVERNANCE [12 lectures]

Human-Environment Interaction
Green Governance: Sustainable Human Development

4. LOCAL GOVERNANCE [12 lectures]

Democratic Decentralisation People's
Participation In Governance

5. GOOD GOVERNANCE INITIATIVES IN INDIA: BEST PRACTICES [20 lectures]

- Public Service Guarantee Acts
- Electronic Governance
- Citizens Charter & Right to Information
- Corporate Social Responsibility

READINGS

GOVERNMENT AND GOVERNANCE: CONCEPTS

B. Chakrabarty and M. Bhattacharya, (eds.) *The Governance Discourse*. New Delhi: Oxford University Press, 1998

Surendra Munshi and Biju Paul Abraham [eds.] , *Good Governance, Democratic Societies And Globalisation*, Sage Publishers, 2004

United Nation Development Programme , *Reconceptualising Governance*, New York, 1997

Carlos Santiso, *Good Governance and Aid Effectiveness: The World Bank and Conditionality*
Johns Hopkins University, The Georgetown Public Policy Review ,Volume VII, No.1, 2001
Vasudha Chotray and Gery Stroker , *Governance Theory: A Cross Disciplinary Approach* ,
Palgrave Macmillan ,2008

J. Rosenau, 'Governance, Order, and Change in World Politics', in J. Rosenau, and E. Czempiel
(eds.) *Governance without Government: Order and Change in World Politics*, Cambridge:
Cambridge University Press ,1992

B. Nayar (ed.), *Globalization and Politics in India*. Delhi: Oxford University Press, 2007 pp. 218-
240.

Smita Mishra Panda , *Engendering Governance Institutions: State, Market And Civil Society*,
Sage Publications,2008

Neera Chandhoke, *State And Civil Society Explorations In Political Theory* , Sage Publishers,1995

GOVERNANCE AND DEVELOPMENT

B. C. Smith, *Good Governance and Development*, Palgrave, 2007

World Bank Report, *Governance And Development*, 1992

P. Bardhan, 'Epilogue on the Political Economy of Reform in India', in *The Political Economy of
Development in India*. 6th edition, Delhi: Oxford University Press, 2005

J. Dreze and A. Sen, *India: Economic Development and Social Opportunity*. New
Delhi: Oxford University Press, 1995

Niraja Gopal Jayal[ed.], *Democracy in India*, Oxford University Press, 2007

ENVIRONMENTAL GOVERNANCE

Ramachandra Guha, *Environmentalism: A Global History*, Longman Publishers, 1999

J.P. Evans, *Environmental Governance*, Routledge , 2012

Emilio F. Moran, *Environmental Social Science: Human - Environment interactions and
Sustainability*, Wiley-Blackwell, 2010

Burns H Weston and David Bollier, *Green Governance: Ecological Survival, Human Rights, and
the Law of the Commons*, Cambridge University Press, 2013

Bina Agarwal, *Gender And Green Governance* , Oxford University Press, Oxford, 2013

J. Volger, 'Environmental Issues', in J. Baylis, S. Smith and P. Owens (eds.) *Globalization of*

World Politics, New York: Oxford University Press, 2011, pp. 348-362.

A. Heywood, *Global Politics*, New York: Palgrave, 2011, pp. 383-411.

N. Carter, *The Politics of Environment: Ideas, Activism, Policy*, Cambridge: Cambridge University Press, 2007, pp. 13-81.

LOCAL GOVERNANCE

Pranab Bardhan and Dilip Mookherjee, *Decentralization And Local Governance In Developing Countries: A Comparative Perspective*, MIT Press, 2006

T.R. Raghunandan, *Decentralization And Local Governments: The Indian Experience, Readings On The Economy, Polity And Society*, Orient Blackswan, 2013

Pardeep Sachdeva, *Local Government In India*, Pearson Publishers, 2011

P. de Souza, (2002) 'Decentralization and Local Government: The Second Wind of Democracy in India', in Z. Hasan, E. Sridharan and R. Sudarshan (eds.) *India's Living Constitution: Ideas, Practices and Controversies*, New Delhi: Permanent Black, 2002

Mary John, 'Women in Power? Gender, Caste and Politics of Local Urban Governance', in *Economic and Political Weekly*, Vol. 42(39), 2007

GOOD GOVERNANCE INITIATIVES IN INDIA: BEST PRACTICES

Niraja Gopal Jayal , *Democracy and the State: Welfare, Secularism, and Development in Contemporary India*, Oxford University Press, 1999

Reetika Khera[ed.], *The Battle for Employment Guarantee*, Oxford University Press, 2011

Nalini Juneja, *Primary Education for All in the City of Mumbai: The Challenge Set By Local Actors'* , International Institute For Educational Planning, UNESCO : Paris, 2001

Maxine Molyneux and Shahra Razavi , *Gender, Justice, Development, and Rights* , Oxford University Press, 2002

Jugal Kishore, *National Health Programs of India: National Policies and Legislations*, Century Publications, 2005

Jean Drèze and Amartya Sen, *India, Economic Development and Social Opportunity*, Oxford University Press, 1995

K. Lee and Mills, *The Economic Of Health In Developing Countries*, Oxford University Press, 1983

Marmar Mukhopadhyay and Madhu Parhar (eds.) *Education in India: Dynamics of*

Development, Shipra Publications, 2007

K. Vijaya Kumar, *Right to Education Act 2009: Its Implementation as to Social Development in India*, Akansha Publishers, 2012

Amartya Sen and Jean Dreze, *Omnibus: Poverty and Famines, Hunger and Public Action, India- Economic Development and Social Opportunity*, Oxford University Press, 1998

Jean Dreze and Amartya Sen, *An Uncertain Glory: India And Its Contradictions*, Princeton University Press, 2013

Reetika Khera- *Rural Poverty And Public Distribution System*, EPW, Vol-XLVIII, No.45-46, Nov 2013

Pradeep Chaturvedi , *Women And Food Security: Role Of Panchayats* , Concept Publishing House, 2002

Bidyut Mohanty, “Women, Right to Food and Role of Panchayats”, *Mainstream*, Vol. LII, No. 42, October 11, 2014

D. Crowther, *Corporate Social Responsibility*, Deep and Deep Publishers, 2008

Sanjay K. Agarwal, *Corporate Social Responsibility in India*, Sage Publishers, 2008

Pushpa Sundar, *Business & Community: The Story of Corporate Social Responsibility in India*, New Delhi: Sage Publications, 2013

Sociology

GENERIC ELECTIVE I: INTRODUCTION TO SOCIOLOGY

This introductory paper intends to acquaint the students with Sociology as a social science and the basic concepts used in the discipline. It also focuses on the social processes and the social institutions that man encounters as a member of the society.

Objectives: After studying these two papers, the student can

- Can get to know the convergence and divergence of Sociology with other social science disciplines in terms of the subject matter, nature and scope of the discipline and its approach.
- Develop knowledge about its historicity.
- Can get acquainted with the basic concepts used in the subject.
- Can generate ideas about the social processes and social institutions man encounters as a member of the society.

Learning Outcomes: This paper is expected to clarify and broaden the student's notion about the subject, the basic concepts used and some universal societal processes. This will provide a wholesome picture about what the subject is all about.

Unit-1: Sociology: Definition and Subject matter, Nature and Scope, Emergence of Sociology, Sociology and its relationship with Anthropology, Political Science, Economics, and History

Unit-2: Basic Concepts: Society, Culture, Community, Institutions, Association, Social Structure, Status and Role, Norms and Values, Folkways and Mores, Associative and Dissociative processes – Cooperation, Assimilation, Accommodation, Competition, and conflict

Unit-3 : Individual and Society : Individual and society, Socialization, Stages and Agencies of Socialization, Development of Self – Contributions of George Herbert Mead, C.H. Cooley's Looking Glass Self The Concept of Group : Types of Groups – Primary and Secondary groups, In-Group and Out-group, Reference Group

Unit-4: Social Stratification: Meaning and definition, Dimensions of Stratification, Theories of Stratification – Functionalist, Marxist, Weberian. Social mobility and its determinants.

Unit-5: Social Control: Meaning and types, Formal and Informal social control, Agencies of Social control

Essential readings:

1. Bottomore, T.B. 1972, Sociology: A guide to problems and literature. Bombay : George Allen and Unwin (India)
2. Harlambos, M. 1998. Sociology: Themes and perspectives. New Delhi Oxford University Press
3. Inkeles, Alex, 1987. What is Sociology? New Delhi: Prentice-Hall of India
4. Jaikumar, No. 1988 . What is Sociology . Madras: Macmillan, India :
5. Johnson, Harry M. 1995. Sociology: A Systematic Introduction. New Delhi , Allied Publishers
6. Schaefer, Richard T. and Robert P. Lamm. 1999 Sociology. New Delhi Tata-Mac Graw Hill.

GENERIC ELECTIVE II: INDIAN SOCIETY

Every society has its own peculiar structure and there are some institutions universal to every society, but with their unique manifestations in each society. There are some change agents and initiatives that enable the society to change with the passage of time. This paper focuses on the structure of the Indian society and the changing aspects with the processes operating, change agents and initiatives.

Objectives: After studying these two papers on Indian society, the student can

- Get an impression about the basic composition of Indian society, its historical moorings, basic philosophical foundations of the society and the institutions.
- Learn about the changing institutions, the processes, the agents and the interventions that bring about change in the Indian society.

Learning Outcomes: This paper is expected to bring familiarity in a student about Indian society. It will present a comprehensive, integrated and empirically –based profile of Indian society. It is hoped that the structure and processes operative in the society, the change agents operating in Indian society presented in this course will also enable students to gain a better understanding of their own situation and region.

Unit-1 : Composition of Indian Society : Caste, Tribe, Religion, Language. Unity in Diversities, Threats to national integration

Unit-2 Hindu Social Organisation: Bases of Hindu Social Organization, Varna, Ashrama and Purushartha. Doctrine of Karma.

Unit-3 : Marriage and Family in India: Hindu marriage as Sacrament, Forms of Hindu Marriage. The Hindu joint family: Patriarchal and Matriarchal systems. Marriage and family among the Muslims. Changes in the institutions of Marriage and Family.

Unit-4 : The Caste system in India: Origin, Features and Functions. Caste and Class, The Dominant Caste, Changes in Caste system, Caste and Politics in India

Constitutional and legal provisions for the Scheduled Castes, Scheduled Tribes.

Unit-5 : Social Change in Modern India : Sanskritization, Westernization, Secularization, and Modernization

Essential readings:

1. Bose, N.K. 1967, Culture and Society in India. Bombay : Asia Publishing House
2. Bose, N.K. 1975, Structure of Hindu Society. New Delhi
3. Dube, S.C. 1990, Society in India.(New Delhi: National Book Trust.)
4. Dube, S.C. 1995, Indian Village (London : Routledge)
5. Dube, S.C. 1958: India's changing Villages (London: Routledge and Kegan Paul).
6. Karve, Irawati, 1961 : Hindu Society : An Interpretation(Poona : Deccan- College) :: Lannoy,
7. Mandelbaum, D.G. 1970 : Society in India (Bombay: Popular Prakashan)
8. Srinivas, M.N. 1980 : India: Social Structure (New Delhi: Hindustan -Publishing Corporation)
9. Srinivas, M.N. 1963: Social Change in Modern India (California, Berkeley: University of California Press).

10. Singh, Yogendra, 1973: Modernization of Indian Tradition (Delhi: Thomson Press).

Sanskrit

GENERIC ELECTIVE I: MORAL TEACHINGS AND BASICS OF SANSKRIT

1. *Hitopodeśa Mitralabha* (From *Kathāmukha* to *Gṛdhravidalakatha*)
2. *Yaksaprasna of Mahabharata*(*Aranyakaparva*, ch.313
from Verses no. 41 to 133)
3. *Śabdarupa&Dhaturupa*
('a' karanta, 'i' karanta, 'ī' karanta, 'u' karanta, 'ū' karanta, 'in'
bhaganta, *Māṭṛ*, *Pitr*, *Asmad*, *Yusmad*, *Tad* (*sabdarupas*).*Lat*, *Lañ*,
Vidhiliñ, *Lṛt*, *Lot* and *Litlakaras* of *Path*, *Ni*, *Kṛ*, *Sev*, *Han*, *Pā*, *Dā*,
Śru, *Śī* and *Krīṇ* in the form of *Ātmanepada*, *Parasmaipada* or
Ubhayapada whichever is applicable. (*Dhaturupas*)

Books for Reference:

1. *Hitopadesah (Mitralabhah)* (Ed.) Kapildev Giri, Chaukhamba Publications, Varanasi.
2. *Hitopadesah (Mitralabhah)* (Ed.) N.P. Dash and N.S. Mishra, Kalyani Publishers, New Delhi
3. *Vyakaranadarpana*, The Odisha State Bureau of Text Book Preparation and Production, Bhubaneswar, 2013
4. Critical edition of the *Mahabharata*, (Ed.) V.S. Sukthankar, BORI, Pune
5. *Mahabharata*, Gitapress, Gorakhpur (Prescribed Text)
6. *Yaksaprasna*, T. K. Ramaayiyar, R. S. Vadhyar & Sons. Palkad, Kerala

GENERIC ELECTIVE II: POETRY & PROSE WRITING

1. Meghadutam (Purvamegha)
2. Gita (Chapter.XV)
3. Prose Writing (Essay in Sanskrit)

Books for Reference:

1. *Meghadutam* (Ed.) S.R. Ray, Sanskrit Pustak Bhandar, 38 Cornwallis St., Calcutta
2. *Meghadutam* (Ed.) M.R. Kale, Motilal Banarsidass, Delhi
3. *Meghadutam* (Ed.) Radhamohan Mahapatra, Books and Books, Vinodvihari, Cuttack, 1984
4. *Meghadutam* (Ed.) B.S. Mishra, Vidyapuri, Cuttack, 1st Edn-1999
5. *Shrimad-bhagavad-gita* (Ed.) S. Radhakrishnan, Bharatiya Vidya Bhavan
6. *Shrimad-bhagavad-gita* (Ed.) Gambhirananda, Ramakrishna Mission
7. *Shrimad-bhagavad-gita*, Gita Press, Gorakhpur
8. Prabandharatnakara, Ramesh Chandra Sukla, Chawkhamba Publications, Varanasi
9. Nibandhasatakam, Kapildev Dwivedi, Chawkhamba Publications, Varanasi